दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04, अंक 02 | ग्वालियर गुरुवार 18 फरवरी 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

पश्चिम बंगाल के तीन जिलों के प्रभारी बनाए गए मध्यप्रदेश के मंत्री विश्वास सारंग

भोपाल। मध्य प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग को बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए एक अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंत्री विश्वास सारंग

पश्चिम बंगाल के 3 जिलों के प्रभारी बनाए गए हैं। इसे लेकर उन्होंने खुशी का इजहार किया है। मंत्री सारंग ने साफ शब्दों में कहा कि ममता बनर्जी के कारण पश्चिम बंगाल का गौरव कम हुआ है। अब यह और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पंश्चिम बंगाल में आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मध्य प्रदेश के कैबिनट मंत्री विश्वास सारंग को बंगाल में तीन जिलों की जिम्मेदारी मिली है। इसे लेकर मंत्री सारंग ने कहा कि ममता दीदी के राज में पश्चिम बंगाल का गौरव कम हुआ है। पश्चिम बंगाल की जनता भाजपा के साथ है। वे पश्चिम बंगाल में भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में काम करेंगे। मुझे खुशी है कि हमारे वरिष्ठ नेताओं ने मुझे जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने दावा किया है कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है, ममता बनर्जी की विदाई होने जा रही है।

जेल में आसाराम की तबीयत बिगड़ी

जयपुर। अपने ही गुरुकुल की छात्रा के साथ यौन दुराचार के मामले में जीवन की अंतिम सांस तक कारावास की सजा पाने वाले आसाराम की तबीयत मंगलवार मध्यरात्रि को अचानक बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें

जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल के सीसीयू के लिए रेफर कर दिया। आसाराम को सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ है। मंगलवार मध्यरात्रि के बाद जोधपुर के सेंट्रल जेल में बंद आसाराम की तबीयत अचानक बिगड़ी जिसके बाद पहले उन्हें जेल के डिस्पेंसरी में चेक किया गया और उसके बाद स्थिति बिगड़ने के अंदेशे की वजह से जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल लाया गया। जेल एंबुलेंस से उतरने के बाद आसाराम स्वयं चलकर गांधी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड तक पहुंचे। मीडिया के पूछने पर उन्होंने सांस लेने में तकलीफ और सीने में दर्द होने की बात कही। जांच के लिए जाते समय वह चालानी गार्ड और वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से भी बतियाते देखे गए।

राहुल चीन का एजेंट कहने पर तिवारी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

वाराणसी। भाजपा सांसद और प्रख्यात भोजपुरी गायक मनोज तिवारी द्वारा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर

टिप्पणी पर कांग्रेस ने विरोध दर्ज कराया है। कांग्रेस ने वाराणसी के सीजेएम कोर्ट में परिवाद दाखिल कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। परिवाद पर सुनवाई के लिए एसीजेएम प्रथम की अदालत ने 26 फरवरी की तारीख मुकर्रर की है। दिल्ली से सांसद और भाजपा नेता मनोज तिवारी वाराणसी में दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे थे। यहां उन्होंने पहले दिन धर्म संसद कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को चीन का एजेंट कहा था।

रामचंद्र मिशन के 75 साल पूरे प्रधानमंत्री मोदी बोले-

कोरोना की लड़ाई में भारत का अहम रोल दुनिया हमसे प्रेरणा ले रही

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को रामचंद्र मिशन की 75वीं सालगिरह समारोह में शिरकत की। कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ग्लोबल वैक्सीनेशन में भारत अहम भूमिका निभा रहा है। भलाई के लिए हमारा विजन उतना ही वैश्विक है जितना घरेलू। उन्होंने कहा कि हम सभी इस बात के साक्षी हैं कि कैसे 130 करोड़ भारतीयों की सतर्कता कोरोना की लड़ाई में दुनिया के लिए मिसाल बन गई। इस लड़ाई में हमारे घरों में सिखाई गई बातें, योग और आयुर्वेद ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। इस महामारी की शुरुआत में भारत की स्थिति को लेकर पूरी दुनिया चिंतित थी, लेकिन आज कोरोना से भारत की लड़ाई दुनिया भर को प्रेरित कर रही है। उन्होंने कहा कि हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट व हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट के फाउंडर और श्रीरामचंद्र मिशन के प्रेसिडेंट कमलेश डी पटेल तो ध्यान और आध्यात्म की दुनिया में दाजी के नाम से विख्यात हैं। कमलेश जी के बारे में यही कह सकता हूं कि वे पश्चिम और भारत की अच्छाइयों का संगम हैं। उन्होंने कहा कि आपके आध्यात्मिक नेतृत्व में रामचंद्र मिशन पूरी दुनिया और खासकर युवाओं को स्वस्थ शरीर और

स्वस्थ मन की तरफ प्रेरित कर रहा है। साथियों आज विश्व भागमभाग वाली शैली से उपजी अनेक बीमारियों से लेकर महामारी और अवसाद से लेकर आतंकवाद तक की परेशानियों से जूझ रहा है। ऐसी स्थिति में सहज मार्ग, हार्टफुलनेस, ध्यान और योग आशा की किरण की तरह हैं। उन्होंने कहा कि पोस्ट कोरोना वर्ल्ड में अब योग और ध्यान को लेकर पूरी दुनिया में गंभीरता और बढ़ रही है। श्रीमद्भगवद् गीता में लिखा है कि सिद्धि और असिद्धि में समभाव होकर योग में रमते हुए सिर्फ काम करो, यह समभाव ही योग कहलाता है। योग के साथ ध्यान की भी इस विश्व को बहुत आवश्यकता है। दुनिया के कई बड़े संस्थान ये दावा कर चुके हैं कि डिप्रेशन मानव जीवन की कितनी बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे में मुझे विश्वास है कि आप अपने हार्टफुलनेस कार्यक्रम से योग और ध्यान के जरिए इस समस्या से निपटने में मानवता की मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि वेदों में कहा गया है कि जिस प्रकार आकाश एवं पृथ्वी का नाश नहीं होता, इसी तरह मेरे प्राण तुम भी भयमुक्त रहो। भयमुक्त वही हो सकता है जो स्वतंत्र हो। मुझे पूर्ण विश्वास है कि सहजमार्ग पर चलकर आप लोगों को शारीरिक और मानसिक रूप में भयमुक्त बनाते रहेंगे। रोगों से मुक्त नागरिक मानसिक रूप से सशक्त नागरिक भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

किसानों का रेल रोको आंदोलन आज

नई दिल्ली। कृषि कानूनों के विरोध में पिछले ढाई महीने से आंदोलन कर रहे किसान गुरुवार को देशभर में 4 घंटे के लिए रेल रोको आंदोलन करेंगे। भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बताया कि नए कृषि कानूनों के खिलाफ गुरुवार को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक देशभर में रेल रोको आंदोलन होगा। इधर, रेलवे ने भी सुरक्षा के लिहाज से रेलवे प्रोटेक्शन स्पेशल फोर्स की 20 अतिरिक्त कंपनियां तैनाती की हैं। रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स के डायरेक्टर जनरल अरुण कुमार ने कहा, हम चाहते हैं कि किसान यात्रियों के लिए असुविधा पैदा न करें। हम चाहते हैं कि वे 4 घंटे

शांति से बीत जाएं। मुख्य फोकस पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल पर रखा गया है। सिंघू बॉर्डर पर मौजूद किसान नेता मंजीत सिंह धनेर ने कहा कि जो किसान टिकरी, सिंघू और गाजीपुर बॉर्डर पर बैठे हैं, उनकी रेल रोकने की ड्यूटी नहीं है। जो गांव के लोग हैं वो रेल रोकेंगे। भारतीय किसान यूनियन (दकौनदा) के प्रधान मंजीत सिंह धनेर से जब पूछा गया कि क्या संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़ा कोई किसान नेता रेल रोको आंदोलन में हिस्सा लेगा। इस सवाल के जवाब में मंजीत सिंह ने कहा कि किसान नेताओं को तो जाना चाहिए। बोलने के लिए नेता रेल रोको आंदोलन में हिस्सा ले सकते हैं, लेकिन रेल रोको आंदोलन में वहीं के लोग मौजूद रहेंगे जहां रेल रोकी जाएगी।

असम में फिर भूकंप के झटके, रिक्टर पैमाने पर 4.7 तीव्रता

तेजपुर। असम में फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। असम के सोनितपुर जिले में बुधवार शाम 5ः54 बजे भूकंप के झटके आए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.7 मापी गई। राजधानी गुवाहाटी में भी तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि, किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं है।नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने बुधवार को ट्वीट किया। भूकंप का केंद्र 17 किमी पश्चिम-उत्तर पश्चिम तेजपुर में था। असम में सोनितपुर जिले के तेजपुर क्षेत्र से 17 किमी दूर 4.7 की तीव्रता वाला भूकंप आया। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश, म्यांमार (बर्मा), भूटान और चीन में भी भूकंप महसूस किया गया। 15 फरवरी को, 3.4 तीव्रता का मामूली भूकंप शाम 5ः00 बजे के आसपास कोहिमा में आया था।

राष्ट्रपति ने बेदी को उप-राज्यपाल पद से हटाया

पुडुचेरी। केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी की उप-राज्यपाल किरण बेदी को उनके पद से हटा दिया गया है। वह पिछले पांस सालों से पुडुचेरी की उप-राज्यपाल के रूप में अपनी सेवाएं दे रही थीं। मंगलवार रात राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई। पुदुचेरी की कांग्रेस सरकार पिछले काफी समय से किरण बेदी को उप-राज्यपाल पद से हटाने की मांग कर रही थी। किरण बेदी ने बुधवार सुबह ट्वीट करके अपने इस कार्यकाल के दौरान सभी के सहयोग पर धन्यवाद दिया है। किरण बेदी ने अपने ट्वीट के साथ

एक वीडियो भी पोस्ट किया है, जिसमें वह अपना संदेश पढ़कर सुना रही हैं। किरण बेदी ने लिखा है, %पुदुचेरी के उप राज्यपाल के रूप में मेरी यात्रा में शामिल पुदुचेरी की जनता और सरकारी अफसरों को धन्यवाद। पुदुचेरी के उप-राज्यपाल के रूप में जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव मुहैया कराने के लिए भारत सरकार का धन्यवाद। उन्होंने आगे लिखा, मैं उन सभी लोगों को भी धन्यवाद देती हूं, जिन्होंने मेरे साथ काम किया। गहरे संतोष भाव के साथ मैं कह सकती हूं कि %टीम राजनिवास% ने जनता के हितों को ध्यान में रखकर पूरी मेहनत से काम किया।

अफ्रीकी स्ट्रेन की भारत में एंट्री, राहुल बोले कोरोना को लेकर लापरवाही बरत रही सरकार

नई दिल्ली। किसान आंदोलन हो या बजट, मंहगाई हो या फिर लद्दाख की समस्या कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लगातार पीएम नरेंद्र पर सवाल दाग रहे हैं। अपने ताजा ट्वीट में राहुल गांधी ने कोरोना को लेकर मोदी सरकार पर हमला किया है। राहुल गांधी ने एक खबर ट्विटर पर शेयर करते हुए कहा, कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ है। सरकार घोर लापरवाही और अति आत्मविश्वास की शिकार है। राहुल गांधी ने ये ट्वीट देश में चार लोगों में दक्षिण अफ्रीकी कोरोना स्ट्रेन पाए जाने के बाद किया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र ने बताया कि देश में पहली बार चार लोगों के सार्स-सीओवी-दो वायरस के दक्षिण अफ्रीकी स्वरूप से संक्रमित होने का पता लगा। वहीं, एक व्यक्ति के वायरस के ब्राजीलियाई स्वरूप से संक्रमित होने की पुष्टि हुयी है।

केन्द्रीय केबिनेट का निर्णय

प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव योजना को दी मंजूरी

नई दिल्ली। रोजगार को बढ़ावा देने के लिए केन्द्रीय कैबिनेट ने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव की स्कीम को मंजूरी दी है. बुधवार को केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा- आत्मनिर्भर भारत की योजना में भारत विनिर्माण हब बने, यह हम सबकी कोशिश है. प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव का मतलब है कि पहले उद्योग लगाओ, फिर निर्माण शुरू करो और उसके बाद निर्यात करो और राजगार सृजन करो और फिर इंसेंटिव लो. केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा- क़रीब 12195 करोड़ रुपए की यह स्कीम है. 2,44,200 करोड़ रुपए का प्रोडक्शन अगले पांच सालों में होने की उम्मीद है. क़रीब

40,000 लोगों को इससे रोजगार मिलने की उम्मीद है. उन्होंने कहा कि कोरोना के दौरान भी भारत और दुनिया की कई कंपनियों ने 10 लाख करोड़ रुपये के मोबाइल फोन बनाने का दावा किया. 7 लाख करोड़ रुपये के निर्यात का प्रावधान रखा और करीब 8 लाख लोगों को रोजगार देने की बात कही. आज 34 हजार करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है. जबकि, केन्द्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा- पहली बार एक कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड पार्टनरशिप एग्रीमेंट मॉरिशस के साथ बना है. इसमें 110 आइटम्स भारत मॉरिशस को भेजेगा और भारत में मॉरिशस से 615 वस्तुएं आएंगी.

मथुरा जेल में सारी तैयारियां पूरी

आजाद भारत में पहली बार किसी महिला को मिलेगी फांसी

नई दिल्ली। आजाद भारत में यह पहला वाकया होगा, जब किसी महिला को फांसी पर चढ़ाया जाएगा. शबनम को फांसी पर लटकाने के लिए उत्तर प्रदेश की मथुरा जेल में सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. शबनम ने अपनी फांसी को टालने की याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की थी, जिसे खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फांसी की सजा को बरकारार रखा है. क्या था मामला : उत्तर प्रदेश के अमरोहा में रहने वाली शबनम ने साल 2008 ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने सात परिजनों की बेरहमी से हत्या कर दी थी. उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पाने परिजनों को कुल्हाड़ी से काट दिया था.

इस मामले में शबनम ने राष्ट्रपति के पास भी दया याचिका दायर की थी, जिसे खारिज कर दिया गया. पहली बार महिला को फांसी भारत के आजाद होने के बाद ऐसा पहली बार होगा, जब किसी महिला को किसी अपराध की सजा के तौर पर फांसी पर चढ़ाया जाएगा. आज से लगभग 150 साल पहले उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में महिलाओं को फांसी देने के लिए फांसी घर बनाया गया था. अब पहली बार इस फांसी घर का इस्तेमाल शबनम को फांसी देने के लिए किया जाएगा. 150 साल पुराने मथुरा के फांसीघर में होगी फांसी देश के आजाद होने से पहले ही मथुरा में महिलाओं को फांसी देने के लिए एक फांसीघर बनाया गया था. बताया जाता है कि यह फांसीघर लगभग 150 साल पुराना है. आजादी के बाद से इस फांसीघर में किसी भी महिला को सूली पर नहीं चढ़ाया गया है. मथुरा जेल के अधीक्षक शैलेंद्र कुमार मैत्रेय ने मीडिया से बताया कि अभी शबनम की फांसी की तारीख तय नहीं हुई है. इसके बावजूद हमने फांसी को लेकर तैयारी शुरू कर दी है. जैसे ही कोर्ट फांसी की तारीख की घोषणा करेगा, हम तुरंत फांसी देने की प्रक्रिया शुरू कर देंगे. निर्भया मामले में दोषियों को सूली पर चढ़ाने वाले पवन जल्लाद दो बार फांसीघर का निरीक्षण कर चुके हैं. उन्होंने जेल अधिकारियों से फांसी के तख्ते का लीवर ठीक कराने का सुझाव भी दिया है. बताया गया है कि शबनम को फांसी देने के लिए बिहार की बक्सर जेल से रस्सी मंगवाई गई है.

ग्वालियर से प्रकाशित
दैनिक पुष्पांजली टुडे
राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप
को
सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है
ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर
मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल
आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है
सम्पर्क
जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश
फोन: 0751-4901403
मो. 7879637585, 8770253710
Website-www.pushpanjalitoday.com
Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

विकलांगों को ट्राइसाइकिल दी गई

प्रदेश ब्यूरो प्रमुख,पंकज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड / नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्री ओपीएस भदौरिया एवं भिण्ड-दतिया क्षेत्र की सांसद श्रीमती संध्या राय, भिण्ड विधायक श्री संजीव सिंह कुशवाह एवं अन्य अतिथियों के द्वारा विकलांगों को ट्राइसाइकिल एवं उपकरणों का वितरण किया गया।

स्वामी तेजानंद महाराज के कर -कमलों द्वारा संगठन के सदस्यों को आई डी कार्ड का वितरण किया

चैन्नई। तिरुवनामलैइ जिले के संदावासल क्षैत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में क्षेत्र के सभी व्यापारियों को संगठन के परिचय पत्र वितरित किये गये यह कार्यक्रम संगठन के क्षेत्रीय अध्यक्ष राजेशजी जैन और प्रदेश कोषाध्यक्ष कल्याणराम हाम्बड की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। परम आदरणीय प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानंद महाराज और प्रदेश सचिव कालुराम सोलंकी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे माननीय प्रदेशाध्यक्ष महोदय ने अपने कर-कमलों द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों को संगठन के आई डी कार्ड वितरित किये। इस कार्यक्रम में तिरुवनामलैइ क्षेत्र की क्षैत्रीय इकाई का गठन किया गया जो इस प्रकार हैं अध्यक्ष राजेश जैन पोलूर सम्मानित अध्यक्ष मोहनलाल कनमंगलम उपाध्यक्ष कल्याण हाम्बड पडवेड सचिव मनोज संदावासल सह-सचिव रमेश पेरियकोलवलुर कोषाध्यक्ष दिनेश कालसमुतिरम आप सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को संगठन की तरफ से बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएँ माननीय प्रदेशाध्यक्ष महोदय ने उपस्थित सभी सदस्यों को एकता के सूत्र में बंधे रहने और सच्चाई की राह पर चलते हुवे व्यापार करने की जरूरत पर चर्चा की आपश्री ने कहा कि संगठन किसी भी परिस्थिति में सदस्यों की सहायता के लिए मजबूती से खडा हैं। किसी को भी डरने की जरूरत नहीं हैं कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी सदस्यों को क्षैत्रीय पदाधिकारियों का बहुत बहुत आभार और धन्यवाद!

महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम तहसीलदार गोरमी को ज्ञापन सौंपा व श्रद्धांजलि दी..।

रिपोर्टर संतोष सिंह भदौरिया गोरमी /

दिल्ली के मंगोलपुरी में बजरंग दल के कार्यकर्ता रिंकू शर्मा की एक समुदाय विशेष द्वारा की गई निर्मम हत्या के विरोध बजरंगदल गोरमी ने महामहिम राष्ट्पति जी के नाम तहसीलदार गोरमी को ज्ञापन सौंपा व श्रद्धांजलि दी..। विष्णु परमार युवराज सिंह कुलदीप तिवारी नीरज ओझा जीतू शिवहरे गिर्राज तोमर राघवेंद्र तोमर आकाश गोस्वामी रविंद्र भदौरिया आकाश सोनी रिशु यादव गोलू भदौरिया दीपू शर्मा छोटू अग्रवाल आदि बजरंग दल के कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष की गाड़ी में हुआ डीजल खत्म, विधायक मेवाराम ने लगाया धक्का

मोहन मंझी

गोहद / प्राप्त जानकारी के अनुसार आज भिंड युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष डॉ. राजकुमार देशलहरा भिंड जिले के गोहद तहसील में भ्रमण पर निकले थे क्षेत्र में भ्रमण कर लौट रहे थे तभी उनकी अचानक गाड़ी में डीजल खत्म हो गया वहां से पेट्रोल पंप लगभग 2 किलोमीटर दूर था तभी उन्होंने गोहद विधानसभा अध्यक्ष अवध किशोर बंटी गुर्जर को फोन लगा कर बुलाया विधानसभा अध्यक्ष अपने साथियों के साथ वहां पहुंचे सभी लोग मिलकर गाड़ी को धक्का लगा कर पेट्रोल पंप पर ले जा रहे थे तभी रास्ते में कांग्रेस विधायक मेवाराम जाटव का वहां से निकलना हुआ तब उन्होंने गाड़ी रोककर युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष का हालचाल पूछा और कहा की गाड़ी में धक्का क्यों लगा रहे हो तो उन्होंने बताया कि मोदी के राज में युवा बेरोजगार हैं मोदी ने युवाओं को प्रतिवर्ष 2 करोड रोजगार देने का वादा किया था कोरोना काल में युवाओं को रोजगार तो नहीं मिला करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए डीजल पेट्रोल की कीमतों में आग लगी हुई है डीजल पेट्रोल की कीमतें आसमान छू रही है आज का युवा गाड़ियों में डीजल पेट्रोल भरवाने में असमर्थ है युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने अपनी गाड़ी में ?1000 का डीजल डलवाया था पहले ?1000 के डीजल में पूरे क्षेत्र का भ्रमण कर ग्वालियर पहुंच जाता था अब ?1000 में इतना कम डीजल आता है कि क्षेत्र नहीं घूम पाते तब विधायक मेवाराम जाटव ने जिला अध्यक्ष की गाड़ी में डीजल डलवाया और कहा की जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तब शिवराज सिंह चौहान पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर साइकिल चलाकर विरोध प्रदर्शन करते थे आज डीजल लगभग 88 रुपए एवं पेट्रोल 100 का आंकड़ा पार कर चुका है सारी चीजें महंगी हो गई है महंगाई चरम सीमा पर है युवा बेरोजगार घूम रहा है भाजपा सरकार किसान युवा युवा विरोधी सरकार है युवा कांग्रेस नेताओं ने मोदी सरकार विरोधी जमकर नारे लगाए इस मौके पर जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस डॉ.राजकुमार देशलहरा विधानसभा अध्यक्ष बंटी गुर्जर, राहुल उपाध्याय रवि कुशवाह रागिनी चौहान अमन बॉक्स बृजेश कुशवाह शाहरुख शाह वीरेंद्र राणा रामहेत जाटव देवी सिंह तोमर मोहन सिंह सिकरवार महाराज सिंह तोमर पिंटू गुर्जर लोकेंद्र गुर्जर,गजेंद्र राणा, गौरव कोहली आदि युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भोज परमार -गुर्जर महाराजा की जयंती मनाई

गुर्जर महाराजा की जयंती शिध्द श्री नाथूबाबा स्थान पर महंत श्री कालीदास महाराज जी के व अखिल भारतीय बीर गुर्जर महासभा के राष्टीय संगठन सदस्य मुकेश गुर्जर उर्फ छुन्ना के नेतृत्व जयंती मनाई गई इस मोके पर समाजसेवी चौं राजेश गुर्जर (दनगश) ने बताया । गुर्जर जाति के चार प्रसिद्ध राज कुल, प्रतिहार, परमार, चालुक्य और चैहान थे। गुर्जर प्रतिहार सम्राटों के आधीन सामन्तों में परमार गोत्र के गुर्जर भी थे। आबू चन्द्रावती अवन्ती उज्जैन धारानगरी (मालवा) आदि कई प्रमुख राज्यों क स्थापना परमार गुर्जरों में की थी। आबू के परमार सामन्त और मालवा के परमार सामन्त शुरू में गुर्जर प्रतिहार सम्राटों के बहुत वफादार रहे थे । सन 815 ई0 में गुर्जर प्रतिहार सम्राट नागभट् द्वितीय ने अपनी केन्द्रीय राजधानी उज्जैन से बदलकर कन्नौज बनाई तो उज्जैन का सामन्त उपेन्द्र परमार को अपना सामन्त नियुक्त किया था। परन्तु 10वीं शताब्दी में जब गुर्जर प्रतिहार साम्राज्य पतन के कगार पर था परमार सामन्तों ने गुर्जर प्रतिहार सम्राटों के पुराने और प्रमुख शत्रु राष्ट कूट राजाओं से मेल करके स्वतंत्र हो गए । सियाक परमार ने दसवीं शताब्दी के मध्य राष्ट्रकूटों को भी हराकर अपनी स्वतंत्र सत्ता स्थापित की थी। गुर्जर परमार शासकों में भोज परमार ने चारों तरफ दिग्विजय करके जिनमें मेवाड़ के गहलौत और चैहन आदि को भी अपने आधीन किया । सोलंकी राजा दुलर्भराज व भीमदेव सोंलकी को भी उसने हराया था । भोज परमार मालवा का (1010-1055) शासक का पैंतालीस वर्ष रहा । उसकी राजधानी धारा नगरी थी और जनता उसे भोज महाराज के नाम जानती थी। उसके राज दरबार में कवियों, विद्धानों तथा साहित्यकारों का बहुत आदर होता था और भारत भर के विद्वान आदर पूर्वक भोज महाराज से आर्थिक सहायता प्राप्त करते थे । इन विद्वानों ने अपना प्रसिद्ध ग्रन्थ रचनाओं में सम्राट भोज परमार की भूरि-भूरि प्रशंसा की है जिससे भोज परमार का नाम अमर हो गया है। सम्राट भोज परमार स्वयं भी विद्वान एवं विद्याव्यसनी तथा महान कवि था। उसने औषधि शास्त्र, ज्योतिष, कृषि, धर्म, वास्तु कला, श्रृंगार कला, कला, शब्दकोष, राजनीति, रणनीति, साहित्य, संगीत आदि विविध विषयों पर अनेक प्रामाणिक ग्रंथ लिखे। उसकी प्रसिद्ध रचनाएं आयुर्वेद सर्वस्व राज मृगांक व्यवहार समुच्चय 'शब्दानुशासन' समरागण सूत्रधार सरस्वती कंठाभरण नाभ मालिक मुक्ति कल्पतरू आदि है। कार्यक्रम में सम्मलित गुर्जर समाज के बरिष्ठ जन अजमेर सिह गुर्जर ,चौं. राजेश गुर्जर (दनगश),सत्तू गुर्जर, बिसम्बर सिंह मजबूत सिंह ,जगदीश सिह जवान सिंह ,उदय सिंह, इंद्रभान सिंह , रामकुमार सिहं ,महेंद्र सिह ,पुलंदर सिह बसंती गुर्जर रामसेवक गुर्जर, राजेंद्र गुर्जर आधा सेकडा से अधिक लोग इकट्ठा हुऐ।।

बाँटमाप विभाग की मनमर्जी से व्यापारी परेशान

मऊरानीपुर (झाँसी)। नगर मऊरानीपुर में बाँटमाप विभाग की हालत एकदम जर्जर देखी जा रही है। यह एक ऐसा विभाग है जहाँ पर अफसरों को मऊरानीपुर आने का समय माह में बहुत कम देखा जाता है। कारण कि इस विभाग के अफसरों एवं कर्मचारियों को किसी का डर नही देखा जा रहा है। साथ ही न ही इस विभाग के कार्यालय का खुलने का समय है और न ही बन्द होने का सब मनमर्जी युक्त विभाग चल रहा है। इस विभाग के कार्यालय को तो बहुत कम खुला देखा जाता है यह विभाग का कार्यालय बन्द ही पडा रहता है। जब कभी इस विभाग की अखबारों में कोई सूचना प्रकाशित हो जाती है तो यहाँ कुछ ही दिन अफसर अपनी उपस्थिति देने लगते है। वैसे तो यह विभाग कर्मचारी ही चला रहे है। जो जब कभी खुले कार्यालय में मौज मस्ती काटते हुये देखे जाते है। जब कोई अपने बाँटों को लेकर जाता है तो उसे अभी कार्य न होने का कहकर और अफसर के न होने का बताकर लौटा दिया जाता है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई मेहगांव द्वारा सरस्वती माता पर किया गया माल्यार्पण

पुष्पांजली टुडे मेहगांव /

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई द्वारा ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती का प्राकट्यपर्व मनाया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई मेहगांव के अध्यक्ष आनंद मोहन जैन एवं कार्यकर्ताओं ने सरस्वती प्रांगण में स्थापित मां सरस्वती का विधि पूर्वक पूजन कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर आनंद जैन ने बताया कि बसंतपंचमी के दिन ही माँ सरस्वती का भी प्रादुर्भाव हुआ है। अतः इस दिन उनकी पूजा का विशेष महत्व है। श्रृष्टि में जड़ता तोड़कर चेतनता प्रदान करने वाली माँ सरस्वती का जो कोई भी इस दिन पूजन करता है, वह विद्या व ज्ञान प्राप्त करता है। चारों ओर उसका आदर-सत्कार होता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन दस प्रमुख श्लोकों से माँ सरस्वती की आराधना करने से सभी कार्यों में सिद्धि प्राप्त होती है। सभी श्लोक न आते हों तो इस दसवें श्लोक से भी माँ को प्रसन्न कर सकता है जो श्लोक इस प्रकार है- ÷एमम्बितमें नदीतमे देवीतमे सरस्वति। अप्रशस्ता इवस्मसि प्रशस्तिमम्ब नस्कृधि।÷ इस माल्यार्पण कार्यक्रम में नगर उपाध्यक्ष मनोज कुशवाह, नगर मंत्री अनूप गौड, सोशल मीडिया प्रभारी प्रभात राजपूत, कार्यकारिणी सदस्य प्रशांत शर्मा, राहुल भदोरिया एवं वीरू ठाकुर, अमित लोधी, मनीष शर्मा, शिवम् उपाध्याय, श्रेयांश सहित कई छात्र उपस्थित रहे।

अम्बाह की जनता से मिला प्यार हमेशा याद रखूंगाः एसआई जगदीश गुप्ता

अम्बाह थाने में पदस्थ एसआई जगदीश गुप्ता का बिदाई समारोह सम्पन्न

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह की जनता से मिला प्यार हमेशा याद रखूंगा यह बात अम्बाह थाने में पदस्थ एसआई जगदीश गुप्ता के स्थानांतरित होकर ग्रह जिला ग्वालियर हो जाने पर अम्बाह थाने में हुए बिदाई समारोह के दौरान कही एसआई गुप्ता जी दतिया,मुरैना,भिंड में अपनी सेवा देकर जनता का मन मोह चुके है वह काफी व्यवहार कुशल व व्यक्तित्व के धनी एवं सुलझे हुए व्यक्ति हैं।उन्होंने ज्यादा से ज्यादा प्रकरणों को दोनों पक्षो के आपसी सामंजस्य से ही निपटाया है थाना प्रभारी योगेन्द्रसिंह जौदान के द्वारा उनके स्थानांतरण पर एक भव्य बिदाई समारोह की पार्टी का आयोजन किया गया थाना प्रभारी अम्बाह योगेंद्र सिह जादौन द्वारा एसआई गुप्ता जी को शॉल एबं श्रीफल देकर सम्मानित किया इस मौके पर अम्बाह थाना उपनिरीक्षक पुनीत दीक्षित, रिषीकेश शर्मा, व टीडी शुक्ला टीडीएस भदोरिया व आरक्षक महेश शर्मा ने अपने मन के बिचार साझा किए और कहा कि गुप्ता जी द्वारा 30 महीने के समय मे जो सिखाया ओर जो प्यार दिया उसके लिए हम सब उनके सदैव आभारी रहेंगे और ईश्वर से यही प्रार्थना करेंगे कि बे जहां भी रहे स्वास्थ्य रहे और सदैव यूँही हंसते मुस्कुराते रहे इस मौके पर उपनिरीक्षक मोनिका मिश्रा, बिबेक तोमर, नीलम यादव,प्रधान आरक्षक रामप्रकाश मुदगल , अमोल सिह,रघुराज सिह आरक्षक महेश शर्मा,दीपक पचौरी प्रसान्त दण्डोतिया कुलदीप दोहरे शिब कुमार भदौरिया नरेन्द मोर्य पुष्पेंद्र सतेन्द्र मनीष एवं समस्त स्टाफ प्रमुख रूप से मौजूद रहे ।

खारड़ा गांव में अज्ञात कारणों से चार बकरीयों की मौत

पुष्पांजली टुडे

रानी निकटवर्ती खारड़ा ग्राम में आज करीब दोपहर एक बेरे पर अज्ञात कारणों से चार बकरीयो की मौत हो गई। पशुपालक भोमाराम देवासी ने बताया कि दोपहर के समय अपनी पत्नी के साथ भेड चरहा रहा था। वहीं मौके पर बकरीयो की मौत होने लगी। तब पशुपालन विभाग को ईसकी सुचना दी मौके पर पहुंचे पशुपालन विभाग की टीम के चिकित्सक रेवतराम राठौड़ ने करीब एक दर्जन बकरीयो का प्राथमिक उपचार किया गया। पशु चिकित्सक रेवंतराम राठौड़ ने बताया कि हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो पायी मौके पर पशु चिकित्सक ने पोस्टमार्टम किया रिपोर्ट आने के बाद ही अज्ञात कारणों का पता जाच का विषय है। वही ग्रामीण भंवरलाल मेघवाल,वसनाराम, लक्ष्मण मीणा, मांगीलाल अरुण, मोहनलाल हिरागर, राजबहादुर,नरेश भुगरिया, के सहयोग से प्राथमिक उपचार किया गया।

संक्षिप्त समाचार

किसान काँग्रेस की ग्राम पलरा में लगी किसान चौपाल

मऊरानीपुर (झाँसी)। तहसील क्षेत्र के ग्राम पलरा में किसान काँग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष शिवनारायण सिंह परिहार के नेतृत्व में किसान चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें पंचायत की अध्यक्षता सुदीप सिंह ने की। पंचायत में पेट्रोल, डीजल, सिलेण्डर के मँहगाई को लेकर, पेयजल, बिजली , रोड को लेकर किसानों ने जमकर नारेबाजी की। खरी खोटी सुनाते हुये आन्दोलन की चेतावनी दी । पंचायत में बढे हुये गैस की कीमत को लेकर महिलाओं ने कहा सरकार ने इतने महँगे गैस सिलिण्डर कर दिये । गैस पर खाना बनाना मुश्किल हो गया अब फिर चूल्हे पर खाना बनने लगा है फ्री सिलिण्डर तो सरकार ने दे दिये लेकिन गैस महँगी होने से गैस पर रोटी बनना अब सम्भव नही है। सरकार तुरन्त गैस के दाम घटाये। किसान काँग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष शिवनारायण सिंह परिहार ने कहा कि सरकार ने डीजल, पेट्रोल, गैस महँगे कर दिये सबसे बडी मार किसानों मजदूरों पर पडी है। आज ग्रामीण आंचलों में गरीब किसान मजदूर महँगाई के चलते खून के आँसू रो रहा है। आज किसान बुन्देलखण्ड का पहले से परेशान है। सरकार ने डीजल, पेट्रोल महँगे कर गरीबों की कमर तोडने का काम किया है सरकार तत्काल दाम घटाये बर्ना आन्दोलन किया जायेगा। इस मौके पर सुदीप सिंह, नीरज सुमन, निम्मी राजा, नारायण दास, रामचरन, घनश्याम, दशरथ, काशीराम, बाबू लाल, प्रागीलाल, ठाकुरदास, पूरन, जितेन्द्र श्रीवास, सुखरानी, मुन्नी, राजकुमारी, चम्पारानी, धर्मपाल, राकेश, राधा आदि लोग उपस्थित रहे।

नगर के मध्य लोडिंग वाहनों का है दबदबा, प्रशासन उदासीन

मऊरानीपुर (झाँसी)। नगर के मध्य भारी लोडिंग वाहनों के आने-जाने से दिन प्रतिदिन अत्यधिक दुर्घटनायें सामने देखने को मिल रही है। जिनमें ट्रैक्टरों पर सरिया और तार लाद कर नगर की बस्तियों में से गुजरते है। जिससे ये तार इन ट्रैक्टरों के पीछे होने वाले वाहनों एवं व्यक्तियों के लिये घातक बनते जा रहे है। और यह सब ट्रैक्टर नगर के मध्य से गुजरते हुये गाँव की ओर जाते है। जिससे नगर के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है। वही अत्यधिक लोडिंग ट्रक भी बस्तियों में घुसकर हवस का शिकार बना रहे है। प्रशासन तो इन ट्रैकों वालों से सुविधा शुल्क लेकर इन लोगों से कुछ भी नही कहता है। न ही प्रशासन को किसी भी दुर्घटना से कोई मतलब होता है। उन लोगों को तो अपने सुविधा शुल्क से मतलब होता है । कि 50 रुपये से 100 रुपये तक हमारा चार्ज दो। और धड्डुले से नगर के मध्य लोडिंग गाडियाँ ले जाओ। इस प्रकार की समस्या से नगरवासियों ने उच्चाधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया है।

कच्ची शराब पर थाना प्रभारी दबोह की लगातार कार्यवाही जारी

दबिश के दौरान पकड़ी 109 लीटर कच्ची शराब

दबोह(अर्पित गुप्ता)

भिण्ड पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में एवम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कंचन के एवम लहार एसडीओपी अवनीश बंसल के मार्गदर्शन में दबोह थाना प्रभारी प्रमोद साहू ने बुधवार को अवैध शराब के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुनः कच्ची शराब पकड़ी।इस दौरान थाना प्रभारी प्रमोद साहू ने बताया कि मुखबिर की रहकोला देवी मंदिर के पास कंजर डेरो पर अवैध हाथ से बनी कच्ची शराब की पॉलीथिन के पाउच में बिक्री की जा रही है।सूचना पर थाना स्टाफ द्वारा एवम मुखबिरो की मदद से घेराबंदी कर दबिश दी गई तो दो महिलाये शराब बेचते हुए पाई गई।इनके कब्जे से एवम इनकी निशादेही में घरों से,खेतो से 08 बोरियो में शराब के पाउच जप्त किये गए। जिसमे पृथक पृथक 54-55 लीटर अवैध हाथ भट्टी की कच्ची शराब कुल 109 लीटर कीमत 10900 की जप्त की गई एवं उक्त महिलाओं के कब्जे से 2 एंड्राइड मोबाइल फोन कीमत तकरीबन 20000 रुपये के जप्त किए गए।महिलाओं द्वारा कोई वैध लाइसेंस पेश नहीं किया गया।महिला का कृत्य 34(2)आबकारी का पाए जाने के समक्ष गिरफ्तार किया गया और महिलाओं के विरुद्ध अपराध क्रमांक 24/21 व 25/21 धारा 34(2)आबकारी एक्ट का मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया एवं उक्त महिलाओं को माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

इनका कहना

1-कच्ची शराब बनाने वाले कंजरों पर लगातार कार्यबाही जारी है,अगर सूचना मिलती है तो पुनः कार्यबाही की जायेगी।

प्रमोद साहू, थाना प्रभारी दबोह

गाँवो में बिक रही शराब पर भी होगी कार्यवाही

दबोह क्षेत्र में अवैध रूप से बेची जा रही कच्ची शराब पर लगातार कार्यवाही के चलते थाना प्रभारी दबोह प्रमोद साहू ने बताया कि गाँवो में भी अंग्रेजी व देशी शराब की बिक्री जारी है जिस पर भी मुखबिर की सूचना पर टीम बनाकर जल्द से जल्द कार्यवाही की जाएगी।

सम्पूर्ण कार्यवाही में यह रहे शामिल

अवैध कच्ची शराब के खिलाफ इस संपूर्ण कार्यवाही में दबोह थाना प्रभारी प्रमोद साहू के साथ थाना स्टाफ सहायक उपनिरीक्षक अवनीश शर्मा,प्रधान आरक्षक श्री कृष्ण गोयल,आरक्षक अभिषेक यादव,आरक्षक विकास पवैया,महिला आरक्षक रूबी चौहान,महिला आरक्षक दिव्यानी,सैनिक 225 राममिलन व महिला बीडीएस माया देवी की सराहनीय भूमिका रही।

गुर्जर समाज के आराध्य देव भगवान श्री देवनारायण जी महाराज की जयंती बुधवार को शहर सहित जिले भर में धूमधाम के साथ मनाई गई।

पुष्पांजली टुडे श्योपुर /

इस मौके पर शहर में गुर्जर समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। स्टेडियम के पीछे स्थित श्री देवनारायण मंदिर पर महाआरती की गई और महाप्रसाद वितरण का आयोजन भी किया गया। श्री देवनारायण भगवान की शोभायात्रा और चल समारोह शहर के नया बांस मोहल्ला स्थित समाज के श्री मुरलीमनोहर मंदिर से प्रारंभ हुई। शोभायात्रा में भगवान देवनारायण की सामूहिक पूजा-अर्चना के बाद प्रारंभ हुई। शोभायात्रा में 24 बगड़ावत रूपी 24 अश्वसवार धर्मध्वजा हाथ में थामे चल रहे थे। सुसज्जित रथ में सवार भगवान देवनारायण जी की प्रतिमा के साथ गाजे-बाजे के साथ प्रारंभ हुई शोभायात्रा नगरपालिका के पीछे, जयस्तंभ चौक, मैन बाजार, सूबात चौराहा, टोड़ी बाजार, पुल दरवाजा, बड़ौदा रोड़, पुराना बस स्टैंड, जयस्तंभ चौक, रामतलाई हनुमान मंदिर, स्टेशन रोड होते हुए स्टेडियम के पीछे भगवान देवनारायण मंदिर पर पहुंचकर सम्पन्न हुई। शोभा यात्रा में भगवान देवनारायण के भजनों की स्वरलहरियों के बीच महिलाएं-पुरूष नाचते-गाते चल रहे थे। शोभायात्रा में भक्तगण में आतिशबाजी और गाजे-बाजे के साथ जयकारे लगाते चल रहे थे। शोभायात्रा का स्वागत जनप्रतिनिधि व समाजसेवियों ने जगह-जगह स्टॉल लगाकर स्वागत किया।

नौ कुण्डीय महायज़ एवं संस्कार महोत्सव में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड, एसडीएम ने किया पूजन अर्चन

मऊरानीपुर (झाँसी)। युगदृष्टा , वेदमूर्ति, तपोनिष्ठ परम पूज्य गुरुदेव पंडित आचार्य श्रीराम शर्मा जी के अध्यामिक जन्मदिवस (बसन्त पंचमी) के शुभ अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ मऊरानीपुर में चल रहे नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव में श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर महायज्ञ को सफल बनाया। इस अवसर पर मऊरानीपुर के उपजिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव ने देव मंच पर पूजन अर्चन किया व शान्तिकुंज हरिद्वार के प्रतिनिधियों को तिलक लगाकर सम्मानित किया।

इस दौरान टोली नायक ने मऊरानीपुर उपजिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव को परम पूज्य गुरुदेव का साहित्य भेंट का उनका सम्मान किया। टोली नायक केपी शर्मा ने गुरुदेव का सन्देश सुनाते हुये कहा कि स्वंय भगवान हमारे गुरु परम सौभाग्य हमारा है। परम पूज्य गुरुदेव ने धरती पर स्वर्ग एवं मनुष्य में देवत्व का उदय का संकल्प लेकर हम सभी को जीवन जीने की राह दिखाते हुये कहा कि हम सुधरेगें , युग सुधरेगा। हम बदलेगें, युग बदलेगा। परम पूज्य गुरुदेव के जन्म शताब्दी वर्ष पर आपके द्वार पहुँचा हरिद्वार को घर- घर पहुँचाने का संकल्प दिलाया और बताया कि जो लोग हरिद्वार नही आ सकते है तो क्या हुआ हम तो माँ गंगा का जल और कुंभ सन्देश घर-घर पहुँचा सकते। इस अवसर पर सुरेश चन्द्र बबेले, राकेश अग्निहोत्री, रामकुमार मिश्रा, कोरी समाज के प्रदेश मंत्री आचार्य रामकिशोर आर्य, बजरंग सेना के मण्डल उपाध्यक्ष विवेक आर्य, जिला संयोजक रविकान्त आर्य, हरेन्द्र तिवारी, नीरज गुप्ता, किदारी लाल आर्य, अतुल सेठ, प्रमोद सेठ, रामगोपाल साहू, दीनदयाल साहू, हेमन्त लोहिया, दुर्गा प्रसाद कुशवाहा, राजेश अग्रवाल, रामसेवक साहू, संतोष डेंगरे, राकेश कटारे, बालकृष्ण विश्वकर्मा, राजेश अग्रवाल, आदि लोग मौजूद रहे। बहनों में बुन्देलखण्ड प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला संगठन मंत्री पुष्पा वर्मा, सुचिता सिंह, प्रगति आर्य, संध्या नगाइच, गायत्री सैनी, गायत्री खरे, राममूर्ति साहू, वंदना साहू, निर्मला खरे, अर्चना पुरवार, प्रभा पटेल, राजेश कुमारी यादव आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे। वही गुरुजी के संदेश को नगर एवं क्षेत्र में घर- घर पहुँचाने के लिये सन्देश वाहन मारुति कार को आचार्य रामकिशोर आर्य प्रगति आर्य ने देने की घोषणा की।

मुरैना कलेक्टर ने दूरस्थ अंचल ग्राम धोंधा और गैतोली में पहुंचकर योजनाओं को परखा

मुरैना। प्रदेश सरकार की संचालित कल्याणकारी योजनाओं का अन्तिम छोर तक के लोंगो को लाभ मिले। इस मकसद से कलेक्टर श्री बी. कार्तिकेयन ने पहाडगढ़ विकासखण्ड के सूदर अंचल आदिवासी बाहुल्य ग्राम धोंधा और गैतोली में पहुंचकर प्रदेश की संचालित कल्याणकारी योजनाओं का जायजा लिया। वे बुधवार को मुरैना जिले के सुदूर ग्रामों में पीएचई, महिला बाल विकास विभाग, फूड और ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के साथ पहुंचे थे। इस अवसर जौरा एसडीएम श्री नीरज शर्मा, ईपीएचई श्री आरएन करैया, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती उपासना राय, नायब तहसीलदार श्री रवीस भदोरिया और फूड विभाग के पहाडगढ़ जेएसओ उपस्थित थे। कलेक्टर श्री बी. कार्तिकेयन सर्वप्रथम ग्राम धोंधा में ग्रामीणों के बीच पहुंचे। जहां उन्होंने संचालित कल्याणकारी योजनाओं कल्याणी पेंशन, राशन, नामान्तरण, बटवारा, भूमि विवाद, बीपीएल जैसे विभिन्न बिन्दुओं पर ग्रामीणों के बीच रूबरू होकर चर्चा की। जिसमें श्रीमती विमला पत्नि विद्याराम कैलारस निवासी अपने मायके में पति की प्रताड़ना से रह रही थी, कलेक्टर ने जेएसओ को उसका नाम पात्रता पर्ची में जोड़कर धोंधा गांव में राशन देने के निर्देश दिये। वहीं कई आवेदन वृद्धावस्था पेंशन, बीपीएल के प्राप्त हुये, जिन आवेदनों को कलेक्टर ने नायब तहसीलदार श्री रबीस भदोरिया को मार्क कर प्रस्तुत किया और सोमवार को टीएल बैठक में वस्तुस्थिति अवगत कराने के निर्देश दिये। लेक्टर ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता धोंधा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 0 से 5 वर्ष तक के 37 बच्चे और 30 बालिकायें रजिस्टर पर दर्ज पाई, किन्तु मौके पर ये बच्चे उपस्थित नहीं थे। कलेक्टर ने इन बच्चों के कुपोषण की जानकारी चाही, इस पर 3 बच्चे 5 वर्ष के ऊपर के आये, जो कुपोषण की श्रेणी में नहीं थे। कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केन्द्र पर कुपोषित बालक आर्यन धाकड़ को देखा, जो कुपोषण की श्रेणी में था। कलेक्टर उसके घर पहुंचे और बच्चे को दी जाने वाली खुराक आदि का अवलोकन किया। जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुषमा धाकड़ और एएनएम दीप्ती निरंजन द्वारा कुपोषण की दवा नियम के अनुसार नहीं दी। इस पर कलेक्टर ने दोंनो को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने मध्यान्ह भोजन एवं टीएचआर गर्भवती महिलाओं को दिये जाने की पैकेट का निरीक्षण किया। धोंधा में मात्र 6 महिलायें गर्भवती होने की बात आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने बताई। कलेक्टर ने हाईरिस्क मदर व दिये जाने वाले पोषण आहार आदि का अवलोकन किया। ग्राम धोंधा में 30.80 लाख रूपये की लागत से निर्माणाधीन गौशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने 15वे वित्त के तहत 1 बोर कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा है कि इस गौशाला की क्षमता कितने पशु रखने की है। इस पर निर्माण शाखा देख रहे सब इंजीनियर ने बताया कि 100 आवारा गौवंश रखा जा सकता है। यह कार्य 15 मार्च तक पूर्ण कर लिया जावेगा। कलेक्टर ने बिजली, संचालन आदि एजेन्सी अभी से तय की जावे।

कलेक्टर ने ग्राम धोंधा में एक करोड़ 60 लाख रूपये की लागत से नल-जल योजना का अवलोकन किया। जिसमें 4 हजार आवादी के गांव में 1200 कनेक्शन देने की बात ईपीएचई श्री आरएन करैया ने कही। उन्होंने बताया कि यह कार्य 6 माह का समय तय किया गया है, किन्तु अगले माह पूरे गांव में पाइप लाइन के माध्यम से जल प्रदाय कर दिया जावेगा। ग्रीष्म ऋतु में पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहेगा। इस पर कलेक्टर ने प्रशंन्नता जाहिर की। मुरैना जिले के पहाडगढ़ विकासखण्ड के अन्तिम छोर के ग्राम गैतोली में पीडीएस की दुकान का निरीक्षण किया, जिसमें दुकान संचालक ने बताया कि इस माह राशन अभी आवंटित नहीं हुआ है। जनवरी माह का 877 कार्डो पर राशन वितरित किया जा चुका है। जिसमें प्रति व्यक्ति को एक किलो चावल, 4 किलो गेहूं और प्रति परिवार को एक लीटर केरोसीन और एक किलो नमक दिया जा रहा है। कलेक्टर ने स्टॉक रजिस्टर एवं ग्रामीणों से मौके पर रूबरू होकर राशन वितरण की जानकारी ली। जिसमें ग्रामीणों ने जनवरी माह तक नियमित राशन मिलने की बात कलेक्टर ने कही।

संपादकीए

हादसे पर हादसे

मध्यप्रदेश के सीधी जिले में मंगलवार सुबह 7~30 बजे बड़ा हादसा हो गया। ड्राइवर समेत 62 लोगों के साथ सतना जा रही बस 22 फीट गहरी बाणसागर नहर में गिर गई। हादसे में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में 16 यात्रियों की उम्र 25 साल या कम है। 51 शवों के पोस्टमॉर्टम के लिए रामपुर नैकिन में डॉक्टर कम पड़ गए। जिलेभर से डॉक्टरों को बुलाया गया, तब सभी शवों का पोस्टमॉर्टम हुआ। बीते कुछ दिनों में एक के बाद एक हादसे हुए हैं, जिसमें 10 से ज्यादा लोगों की जान गई है। माना कि हादसों पर किसी का नियंत्रण नहीं है और सरकार भी सिर्फ कानून ही बना सकती है, लेकिन सवाल है कि जिन इलाकों में आम लोगों की आवाजाही हो या किसी भी वजह से उनकी मौजूदगी हो, उसमें एक वाहन की रफ्तार कैसे इतनी थी कि उस पर चालक का नियंत्रण नहीं रहा! फिर सड़क यातायात का नियमन करने वाले महकमे की ड्यूटी क्या थी? अब हादसे की भयावहता के मद्देनजर एक रस्म तरह सरकार की ओर से यह घोषणा कर दी गई है कि समूची घटना की जांच कराई जाएगी और पीड़ितों और मृतकों के परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा। संभव है कि यह हादसे के शिकार लोगों के परिवारों के लिए किसी राहत जैसा हो, लेकिन क्या इस तरह की औपचारिकताएं समस्या का वास्तविक समाधान या फिर विकल्प हो सकती हैं? ऐसा नहीं है कि सरकारें चाहें तो इन हालात से निपटा नहीं जा सकता। सड़क यातायात को नियंत्रित करने के लिए एक समूचा महकमा काम करता है। फिर भी वाहनों के नियंत्रण खो देने की घटनाएं अब चौंकाती नहीं हैं। मगर अक्सर वाहनों के बेलगाम हो जाने के बाद हुए हादसे और उसमें नाहक ही लोगों के मारे जाने की त्रासदी के बाद जांच और मुआवजे की औपचारिकताएं जरूर सामने आती हैं। यह समझना मुश्किल है कि वाहन चलाते हुए लोगों को यह ध्यान रखना जरूरी क्यों नहीं लगता कि बेहद मामूली लापरवाही की वजह से अगर गाड़ी का संतुलन बिगड़ा तो न केवल दूसरों की, बल्कि खुद उनकी जान भी जा सकती है। लगता है, हमारे यहां ज्यादातर लोग सड़कों पर सिर्फ वाहन चलाना जानते हैं, सड़क-सुरक्षा से जुड़े नियम-कायदों का पालन करना उन्हें जरूरी नहीं लगता। जबकि ऐसी दुर्घटनाओं में से लगभग सभी में यही बात सामने आती है कि किसी खास वाहन के चालक ने नियमों को धता बता दिया था। यह बेवजह नहीं है कि देश भर में होने वाले सड़क हादसों में रोजाना सैकड़ों लोग मारे जाते हैं। एक अध्ययन के मुताबिक दुनिया भर में हर साल सड़क हादसों में होने वाली मौतों का दसवां हिस्सा अकेले भारत का होता है। खुद भारत सरकार की एक रिपोर्ट बताती है कि 2015 में देश भर में पांच लाख से ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिसमें करीब डेढ़ लाख लोगों की जान चली गई। यह आंकड़ा इसलिए चिंताजनक है कि इतने लोग आपदाओं, आतंकवादी हमलों या फिर अन्य संघर्षों में भी नहीं मारे जाते। फर्क यह है कि आतंकी हमलों जैसी घटनाओं में मारे गए लोगों की गिनती होती है, लेकिन हादसों में जान गंवाने वालों के आंकड़े हमें परेशान नहीं करते। जबकि सड़क हादसों में मारे जाने वालों में ज्यादातर लोग कामकाजी होते हैं और उनमें ज्यादा संख्या युवाओं की होती है। यानी ये हादसे न केवल बड़ी तादाद में जनक्षति की वजह बनते हैं, बल्कि इनसे देश की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान होता है। विधि आयोग की एक रिपोर्ट के मुताबिक अगर सड़क दुर्घटना के एक घंटे के भीतर घायलों को अस्पताल पहुंचा दिया जाए या उन्हें आपात चिकित्सा मिल जाए तो करीब पचास फीसद की जान बचाई जा सकती है।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लगाम ही आएगी काम

डॉ. सत्यवान सौरभ

सोशल मीडिया संचार, सहयोग, शिक्षा जैसे विषयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और परिणामस्वरूप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को सार्वजनिक और सरकारी अधिकारियों की भागीदारी की तरह इसे महत्वपूर्ण मानते हैं. आज हमें सोशल मीडिया को सुरक्षित और संरक्षित रखने की जिम्मेदारी को समझने की जरूरत है ताकि यह समाज के लिए एक प्रगतिशील उपकरण के रूप में काम करे. इन प्लेटफार्मों पर बढ़ते उपयोगकर्ताओं के साथ, बढ़ती प्रौद्योगिकी और बढ़ते दुरुपयोग और दुरुपयोग के लिए प्रवृत्ति बढ़ गई है. सोशल मीडिया का वातावरण कई खतरे पैदा कर रहा है जो एक तत्काल समाधान की मांग करते हैं. सोशल मीडिया पारंपरिक मीडिया से इस मायने में अलग है कि इसकी व्यापक पहुंच है. बातचीत और तत्काल सूचना का आदान-प्रदान,आम तौर पर मुफ्त है और किसी भी प्रवेश बाधाओं का अभाव है. आज सोशल नेटवर्क अनुमानित 34त्व वार्षिक के साथ दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक है. लगभग दो दशकों में सोशल मीडिया पूरी तरह से एक मनोरंजक साधन बन गया है.

हमारे दैनिक जीवन के लगभग हर पहलू जैसे संवाद, बातचीत और सामाजिकता के तौर पर इसने हमारे समाज के सामाजिक ताने-बाने और सामाजिक रिश्तों की प्रकृति पर व्यापक प्रभाव डाला है. आधुनिक डिजिटल दुनिया में सोशल मीडिया ने लोगों को आवाज दी है. सोशल मीडिया वैश्विक सहयोग की खेती कर रहा है और एक बेहतर दुनिया के लिए सुविधा प्रदान कर रहा है. फिर भी हमें यह समझने की जरूरत है कि वर्षों से सोशल मीडिया ने समाज के विभिन्न वर्गों और वर्गों को कैसे लाभ या हानि में पहुंचाया है. क्या सोशल मीडिया को विनियमित किया जाना चाहिए? सोशल मीडिया के नियमन से जुड़ी चुनौतियाँ क्या हैं? और किन तरीकों से अधिक जिम्मेदार उभरते डिजिटल युग के लिए उपयोगी और उद्देश्यपूर्ण सोशल मीडिया कैसे बनाया जा सकता है. सोशल मीडिया ने जो वास्तविक तथ्य मान लिए हैं, उनके आधार पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को जिम्मेदारी बोझ लेना जरूरी है. लेकिन अवैध और अनुचित सामग्री से निपटने के लिए आंतरिक तंत्र होने के बावजूद सोशल मीडिया कंपनियां यह सुनिश्चित करने में विफल रही हैं कि सोशल मीडिया एक सुरक्षित स्थान बना हुआ है और इसका दुरुपयोग नहीं किया जाता है. उदाहरण के लिए श्रीलंका में मुस्लिम विरोधी दंगे, म्यांमार में रोहिंग्या के खिलाफ हिंसा, कैम्ब्रिज एनालिटिका द्वारा व्यक्तिगत डेटा की रिपोर्ट का लीक होना. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं और समग्र सोशल मीडिया स्पेस के हित में उनके नियंत्रण के लिए कहता है. इस बात की चिंता बढ़ रही है कि ये प्लेटफार्म अति-निजीकरण पूर्वाग्रह' या इको चेंबर्स 'बनाने वाले सामाजिक ध्रुवीकरण में योगदान करते हैं. जैसे वर्तमान घटनाओं के बारे में विचारों का विरोध करने वाले

लोग. सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करना, गोपनीयता की रक्षा करना बहुत मुश्किल हो जाता है, खासकर बच्चों और किशोरों के लिए जो सुरक्षा करना नहीं जानते हैं. वेब पर उनकी व्यक्तिगत जानकारी के परिणामस्वरूप अनैतिक और अवांछनीय व्यवहार हुए हैं जिससे उनके लिए नैतिक और गोपनीयता संबंधी चिंताएं बढ़ी है. लोकतांत्रिक संस्थाएं जो मुक्त भाषण और अन्य मूल अधिकार की रक्षा करती हैं लेकिन ट्विटर हैंडलर नियमित रूप से उन लोगों का अनुसरण करने का संकेत देता है जो एक समान दृष्टिकोण रखें. इससे न केवल मतदाता व्यवहार बल्कि रोजमर्रा की व्यक्तिगत बातचीत भी प्रभावित होती हैं. जहां लोग सोशल मीडिया के माध्यम से ऑनलाइन घोटाले का शिकार हो रहे हैं वही वो ऑनलाइन छेड़छाड़, साइबर बदमाशी, भड़काऊ या आपत्तिजनक पोस्ट के जरिए मानवाधिकारों का उल्लंघन,सामग्री, सेक्सटिंग और ट्रोलिंग, राजनीतिक और व्यक्तिगत उद्देश्यों के लिए व्यक्ति की गरिमा को रौंदने के लिए ऑनलाइन दुरुपयोग और मानहानि उपयोगकर्ताओं को उनके मेटा-डेटा पर अधिकारों से वंचित किये जा रहें हैं. उनके डेटा के बारे में थोड़ा स्पष्ट ज्ञान या सहमति के साथ एकत्र या उपयोग किया जा रहा है. मानव व्यवहार और सामाजिक कामकाज पर सोशल मीडिया के प्रभावों के कारण सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को विनियमित किया जाना चाहिए. मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया का प्रतिकूल प्रभाव मनोवैज्ञानिक मुद्दों से जुड़ा रहा है. उदासीनता, चिंता, गंभीर अलगाव, इंटरनेट की लत, साइबरबुलिंग और ऑनलाइन शमिंग के केस दिन भर दिन बढ़ते जा रहें है. ब्लू व्हेल गेम के माध्यम से बच्चों में आत्महत्या और आत्महत्या से जुड़ा हुआ है. अनुसंधान से पता चला है कि सोशल मीडिया का उपयोग आमने-सामने से अलग है जिससे मानव व्यवहार में परिवर्तन आया है. सोशल मीडिया की वजह से गलत खबर, फेक न्यूज, अफ़वाह, अभद्र भाषा आदि समाज में फैल गए है जो हर सेकंड व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से वायरल होते रहते है. सोशल मीडिया एक व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली संस्था है और एक ही समय में एक वरदान और शाप है. सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक स्वस्थ, संपन्न लोकतंत्र का अभिन्न अंग है. मगर उपर्युक्त समस्याएं सोशल मीडिया को कायम रखने में सक्षम बनाने और उस पर विश्वास करने में बाधक हैं. सही तरीके से, सही दृष्टिकोण, सही उद्देश्य और सही तरीके से सोशल मीडिया का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए हमें नए नियम बनाने होंगे. इन प्लेटफ़ॉर्म के गलत कदम के प्रसार को सामग्री मॉडरेशन के लिए कदम उठाकर रोका जा सकता है. उन उपायों को लागू करना भी फायदेमंद होगा जो भ्रामक सामग्री की विविधता को सीमित करते हैं. उपयोगकर्ताओं को यह तय करने का विकल्प दें कि वे कौन सी जानकारी देखना चाहते हैं और उन्हें कैसे लक्षित किया जाए.

समाज के सबसे बड़े दूषण के ख़िलाफ़ मुहिम

(भावना ठाकर, बैंगुलूरु)प्तभावु

हमारे समाज में रिवाजों के नाम पर फैले दूषणों में एक सबसे बड़ा दूषण है दहेज नेग ओर तोहफ़ा दहेज शब्द पर चढ़ाई गई सोने की शालीन परत है। इस परंपरा के विरोध में पाकिस्तान के डिज़ाइनर अली जीशान ने दहेज के मुद्दे पर लोगों का ध्यान खींचने के लिए एक फ़ैशन शो में ब्राइडल कलेक्शन की मॉडलिंग के लिए मॉडल के जरिए इस कहानी को दिखाया है। यूनाइटेड नेशंस वुमेन पाकिस्तान के साथ पार्टनरशिप में डिज़ाइनर अली जीशान ने %नुमाइश% नाम से इस कहानी को पेश किया है। जोकि कहानी काल्पनिक है, पर निरूपण सचोट और सटीक किया है। साथ ही में मीडिया पर इस कहानी को परिभाषित करती जो तस्वीर डाली गई है वो हर किसीको भावुक कर देने वाली है।

वैसे अली जीशान एक डिज़ाईनर है और उनका कनेक्शन 10 लाख की किंमत का होता है तो कई दर्शकों और पाठकों ने उन्हें ट्रोल किया है की अली जीशान को ये कैंपेन शोभा नहीं देता। क्यूँकि उनके बनाए ड्रेस की किंमती दहेज जितनी होती है। पर हम यहाँ इस बात को नज़रअंदाज करेंगे क्यूँकि अहम मुद्दा समाज का सबसे बडे दूषण का है।

एक लड़की जिसकी अभी शादी की उम्र नहीं हुई है, फिर भी उसका विवाह परिवार वालों ने कर दिया है। अब लड़की शादी की ड्रेस में, मेकअप और ज्वेलरी से लदी हुई है और सामानों से भरी एक गाड़ी को अपने नाजुक हाथों से खींच रही है। दहेज के सामान और पति के वजन से लदी गाड़ी को थोड़ी दूर खींचने के बाद वह दर्द से कराह उठती है।

बहुत ही सुंदर संदेश देती कहानी और तस्वीर हैं। अली जीशान थिएटर स्टूडियो ने नुमाइश के वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा है कि दहेज की समस्या की वजह से परिवार वाले लड़की को पढ़ाने की जगह दहेज के लिए पैसा जमा करते हैं और वह लड़की को शिक्षा देने के बजाय दहेज देना ज्यादा जरूरी समझते हैं। अब समय आ गया है कि दहेज की इस परंपरा को हमें मिलकर खत्म करना होगा।

इस कहानी की तस्वीरों को यूएन वूमेन की ओर से दहेज के खिलाफ दहेज खोरी बंद करो कैंपेन के आगाज के साथ शेयर किया गया है और ÷नुमाइश÷ इसी कैंपेन का हिस्सा है। इससे पहले दहेज के खिलाफ कैंपेन में पाकिस्तानी सेलिब्रिटी को भी शामिल किया गया था। इस कैंपेन को एक अच्छी मुहिम कहा जा सकता है।

इस मुहिम के जरिए लोगों को दहेज प्रथा पर रोक लगाने के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साथ ही लोगों को एहसास कराया जा रहा है कि लड़कियों को दहेज देने से ज्यादा जरूरी है कि उन्हें शिक्षा दी जाए। शिक्षा हर समस्या के समाधान है। एक बाप अपने घर की लक्ष्मी, अपने जिगर का टुकड़ा आपकी झोली में ड़ाल रहा है खून के आँसू रोता है उस वक्त उस बाप का दिल। आपके घर, आपके कूल, आपके वंश को चलाने के लिए एक दुर्गा स्वरूप बेटी को धूमधाम से अपने घर लाते हो, लक्ष्मी खुद चलकर आपके घर आ रही है उस लक्ष्मी के तो पैर धो कर पूजना चाहिए ना की उस बंधन के बदले आप एक बाप की आन, बान, शान के साथ तिजोरी भी साफ़ कर दो, जन्म से लेकर बाइस या पच्चीस साल तक लाड़ ओर चाव से पालकर हर लिहाज़ से बेटी को पढ़ा लिखा कर सबकुछ सीखा कर आपके कूल को गौरवान्वित करने के लिए तैयार करते है माँ बाप क्या कोई मेहनत नहीं लगी होगी ? एक माँ की तपस्या ओर एक बाप की सालों की मेहनत से जमा की हुई पूँजी को अपने नाम करते हुए कलेजा काँपना चाहिए। इस कुरिवाज के ख़िलाफ़ पूरा समाज साथ मिलकर आवाज़ उठाएगा तभी ख़त्म होगा।

चिंतन मंतन

प्रभु भक्ति में बीते समय

यह भौतिक जगत प्रकृति के गुणों के चमत्कार के अन्तर्गत कार्य कर रहा है। मनुष्य को चाहिए कि वह अपनी चेतना कृष्ण कार्य में लगाए। कृष्णकार्य भक्तियोग के नाम से विख्यात हैं। इसमें न केवल कृष्ण अपितु उनके विभिन्न पूर्णाश भी सम्मिलित हैं- यथा राम तथा नारायण। कृष्ण के असंख्य अंश हैं, जो उनके किसी भी रूप या पूर्णाश की सेवा में प्रवृत्त होता है, उसे दिव्य पद पर स्थित समझना चाहिए। कृष्ण के सारे रूप पूर्णतया दिव्य और सच्चिदानन्द स्वरूप हैं। ईश्वर के ऐसे रूप सर्वशक्तिमान तथा सर्वज्ञ होते हैं और उनमें समस्त दिव्यगुण पाये जाते हैं। अत~ यदि कोई कृष्ण या उनके पूर्णाशों की सेवा में दृढ़संकल्प के साथ प्रवृत्त हो तो (यद्यपि प्रकृति के गुण जीत पाना कठिन है) वह उन्हें सरलता से जीत सकता है। कृष्ण की शरण ग्रहण करने पर प्रकृति के गुणों का प्रभाव लांघा जा सकता है। कृष्णभावनामृत या कृष्ण-भक्ति में होने का अर्थ है, कृष्ण के साथ समानता प्राप्त करना। भगवान कहते हैं कि उनकी प्रकृति सच्चिदानन्द स्वरूप है और सारे जीव परम के अंश हैं। जीव अपनी आध्यात्मिक स्थिति में स्वर्ण के समान या कृष्ण के समान गुण वाला होता है। किन्तु व्यष्टित्व का अन्तर बना रहता है अन्यथा भक्तियोग का प्रश्न ही नहीं उठता। भक्तियोग का अर्थ है कि भगवान और भक्त के बीच प्रेम का आदान-प्रदान चलता रहता है। अतएव भगवान में और भक्त में दो व्यक्तियों का व्यष्टित्व वर्तमान रहता है, अन्यथा भक्तियोग का कोई अर्थ नहीं है। यदि कोई भगवान जैसे दिव्य स्तर पर स्थित नहीं है, तो वह भगवान की सेवा नहीं कर सकता है। उदाहरणार्थ, राजा का निजी सहायक बनने के लिए कुछ योग्यताएं आवश्यक हैं। इस तरह भगवत्सेवा के लिए योग्यता है कि ब्रह्म बन भौतिक कल्मष से मुक्त हुआ जाय। कहा गया है ब्रह्मैव सन्ब्रह्माप्येति। अर्थात मनुष्य को ब्रह्म से एकाकार हो जाना चाहिए। लेकिन ब्रह्मत्व पाने पर मनुष्य व्यष्टि आत्मा के रूप में अपने शात ब्रह्म-स्वरूप को खोता नहीं है।

लाया प्रेम बसंत

धरती में गिल्ली चली ,नभ में उड़े पतंग,
त्योहारों में खिल रहे ,खुशियों के बहु रंग।
****

यही सोच मन में लिए ,नभ में उड़े पतंग ,
जो पतंग नभ में मिले ,होगी उससे जंग।
****

खुशी बिखेरें सर्व दिन,शुभकारी हों पर्व ,
अपने हर इक पर्व पर ,हमें सदा हो गर्व।
****

फूल खिले मौसम हँसा,भँवरे हुए महंत ,
महुआ मदमाने लगा ,लाया प्रेम बसंत।
****

तिल के लड्डू में मिला,अपनेपन का रंग,
मन नभ में उड़ती फिरे ,यादों भरी पतंग।
****

आया मौसम प्यार का,महक उठी कचनार,
जीवन की हर खुशी का ,फिर आया त्यौहार।
****

महेंद्र कुमार वर्मा
भोपाल [म.प्र.]
मो. --9893836328

यौन शोषण के नित्य नए तर्क व परिभाषायें

कवित सिंह

भारतीय महिलायें दिन प्रतिदिन अपने कौशल व साहस का परिचय कराती रहती हैं। कभी अंतरिक्ष में भारतीय ध्वज लहराकर,कभी विश्व के सबसे लंबे व ख़तरनाक वायुमार्ग पर विमान उड़ाकर, कभी युद्धक विमान को क़लाबाज़ियाँ खिलाकर,कभी बस,ट्रक व ट्रेन चलाकर तो कभी अपने अपाहिज बाप को पीछे बिठाकर लॉक डाउन में लगभग 1500 किलोमीटर तक लगातार साईकिल चलाकर गोया अनेकानेक जटिल क्षेत्रों में भी महिलाओं ने अपने अदम्य साहस,हौसले व सूझ बूझ का परिचय दिया है। उधर सरकार भी %बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ% का नारा देकर तथा इस योजना पर सैकड़ों करोड़ रूपये ख़र्च कर यह सन्देश देना चाहती है कि नारी उत्थान के लिए सरकार भी प्रयासरत है। परन्तु दुर्भाग्यवश इसी बीच महिलाओं के साथ होने वाले दुराचार,शारीरिक शोषण,बलात्कार,सामूहिक बलात्कार व हत्याओं की ख़बरें भी आती ही रहती हैं।कई समाचार तो ऐसे होते हैं जिन्हें सुन -पढ़कर तो यह विश्वास ही नहीं होता कि वासना में डूबा राक्षस रुपी पुरुष इस हद तक गिर सकता है व अमानवीयता की सभी सीमाएं लांघ सकता है?

परन्तु निःसंदेह यह हमारे देश के अति दूषित मानसिकता रखने वाले कलंकी लोगों का एक कुरूपित चेहरा है जो नारी का शारीरिक शोषण भी करता है,उससे सामूहिक बलात्कार भी करता है और जब अपनी शैतानी सोच की सभी सीमाओं को पार कर जाए तो महिला के गुप्तांग में लोहे की रॉड डालकर या उसमें पत्थर भरकर उसी नारी को असीम कष्ट पहुंचाते हुए उसे मौत के घाट भी पहुंचा देता है। देश में अनेकानेक घटनायें ऐसी भी हो चुकी हैं जिससे यह पता चला कि बलात्कार,शारीरिक शोषण या छेड़ख़ानी की शिकार महिलायें जब अपनी शिकायत दर्ज कराने पुलिस चौकी या थाने पहुँचती हैं उस समय पीड़ित महिला से ही इस तरह के इतने सवाल किये जाते हैं कि जैसे सारा दोष पीड़ित महिला का ही हो। और इससे भी बड़ी त्रासदी यह है कि पुरुषों के ज़ोर,ज़ुल्म,उत्पीड़न व ज़्यादती की शिकार यही महिला अपने साथ होने वाली घटना के बाद समाज द्वारा बुरी व अपमान जनक नज़रों से देखी जाती है। गोया अपने साथ हुई ज़्यादती की ज़िम्मेदार पुरुष नहीं बल्कि वह स्वयं है ? एक ओर तो भारतीय महिलायें अपने साहस,कौशल,पराक्रम व हौसले का लोहा मनवाते हुए नित्य नये कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। उधर पुरुष समाज को कलंकित करने वाले सरफिरे नारी स्मिता की धज्जियां उड़ाने में कोई कसर बाक़ी नहीं रखना चाह रहे तो एक ओर हमारे ही देश में अभी तक यही

निर्धारित नहीं हो पा रहा कि यौन शोषण व शारीरिक शोषण की परिभाषायें क्या हों ? हमारे देश की अदालतें अभी तक यही तय कर रही हैं कि पुरुष के किस सीमा तक चले जाने को यौन शोषण माना जाये और किस हद तक जाना यौन शोषण के दायरे में नहीं आता। वैसे तो धर्म,समाज व नीति शास्त्र के लोगों का मानना है कि मन में किसी तरह के पाप का विचार आना ही पाप किये जाने के समान होता है। पश्चिमी देशों में भी लोग अपने बच्चों को पुरूषों द्वारा किये जाने वाले शारीरिक स्पर्श को %गुड टच% व %बैड टच% के रूप में अलग अलग तरीक़ों से शिक्षित करते हैं। महिलाओं में पर्दा व घूंघट प्रथा के पीछे का भी कड़ुवा सच यही है कि औरत ग़ैर पुरुषों की कुदृष्टि से बची रहे। गोया हर जगह पुरुष को पूरी छूट व स्वतंत्रता है जबकि महिलाओं को ही सारे परदे,घूंघट व सुरक्षा संबंधी उपाय करने ज़रूरी बताए गए हैं ? यौन शोषण के ही एक मामले में पिछले दिनों मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर बेंच की एकल पीठ द्वारा एक आश्चर्य जनक निर्णय सुनाया गया जिसने यौन शोषण की परिभाषा को और भी विस्तृत किया है। ख़बरों के अनुसार एक व्यक्ति 12 वर्ष की एक बच्ची को अमरुद देने की लालच देकर अपने घर के अंदर ले गया। वहां उसने बच्ची के शरीर से देर तक छेड़ छाड़ की। उसके शरीर के निजी अंगों को देर तक छेड़ता रहा। इस बीच पीड़िता की मां अपनी बच्ची को तलाश करते हुये दुष्कर्मी के घर पहुंची। तभी बच्ची ने अपने साथ हुए ज़ुल्म की सारी कहानी रो रो कर अपनी मां को सुना डाली। उसी बयान के आधार पर आरोपी के विरुद्ध मुक़द्दमा दर्ज किया गया। अब इसी मामले के संबंध में मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ की न्यायाधीश पुष्पा गानेडीवाला ने यौन शोषण की परिभाषा को और अधिक विस्तृत रूप से बयान किया है।

पुरुषों को नहीं भातीं ज्यादा मेकअप करने वाली महिलाएं

पुरुषों को रिझाने के लिए महिलाएं अक्सर मेकअप का सहारा लेती हैं। लेकिन ब्रिटेन में हुए एक सर्वे की मानें तो 75 फीसदी पुरुष सादगी से रहने वाली महिलाओं से इश्क फरमाना ज्यादा पसंद करते हैं। जरूरत से ज्यादा कॉस्मेटिक का इस्तेमाल रोमांस के उनके मूड पर पानी फेर देता है।

कॉस्मेटिक निर्माता कंपनी 'सेंट ईव्स' के शोधकर्ताओं ने 1,000 महिलाओं और 550 पुरुषों पर रायशुमारी की। उन्होंने पाया कि 50 फीसदी महिलाएं साल भर में औसतन 1,500 बार मेकअप करती हैं। 67 फीसदी 365 दिनों में से सिर्फ 25 दिन बिना मेकअप के रहती हैं। 10 फीसदी के सजने-संवरने का एकमात्र मकसद पुरुषों को आकर्षित करना होता है। 55 फीसदी महिलाएं आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए मेकअप की मदद लेती हैं। हालांकि पुरुष ज्यादा सजने-संवरने वाली महिलाओं को कुछ खास पसंद नहीं करते हैं। 45 फीसदी पुरुष मानते हैं कि महिलाएं फाउंडेशन और फेस पाउडर का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। 33 फीसदी को फेक टैन कराने वाली महिलाएं खासी नापसंद होती हैं। 5 फीसदी लाल रंग की लिप्सटिक लगाने वाली महिलाओं से चिढ़ते हैं। 4 फीसदी के दिल को नकली पलकें लगाने वाली युवतियां बिल्कुल भी नहीं भाती हैं।सादगी को ज्यादा तवज्जो देने के बावजूद सिर्फ 10 फीसदी पुरुष ही पत्नी या प्रेमिका को टोकने की हिम्मत जुटा पाते हैं। बाकी 90 फीसदी उनके नाराज होने के डर से खामोश रहना ज्यादा मुनासिब समझते हैं। सर्वे के दौरान यह भी देखा गया कि महिलाएं कभी बिना मेकअप के घर से बाहर निकलने की हिम्मत जुटाती हैं तो उससे पहले फेशियल, ब्लीच, मसाज और टैनिंग पर अच्छे-खासे पैसे खर्च करती हैं।

गर्मियों में रखें बालों का ख्याल

मौसम कोई भी हो, बालों की देखभाल अत्यधिक जरूरी होती है। गर्मियों में तो खासकर बालों का ख्याल रखा जाना चाहिए। निम्नलिखित टिप्स की सहायता से इन गर्मियों में आप अपने बालों की खूबसूरती तथा स्वास्थ्य बरकरार रख सकती हैं।

- सूर्य की रोशनी में लंबे समय तक रहने से बालों को काफी नुक्सान पहुंचता है। इसके कारण बाल रूखे हो जाते हैं और दोमुंहे भी।
- गर्मियों के महीनों में बाल काफी रूखे-सूखे हो जाते हैं। हाल ही में यह सुझाव दिया गया है कि एंड्रोजैनेटिक एलोपेशिया (बालों के गिरने की एक प्रकार की समस्या) सूर्य की रोशनी के कारण बढ़ जाती है। इससे बचने के लिए फोटो प्रोटैक्शन की जरूरत होती है।
- यदि आपकी योजना धूप में लंबे समय तक रहने की है तो इस बात का ख्याल रखें कि स्कार्फ, हैट या टोपी अवश्य पहनें ताकि धूप के कारण बालों पर पड़ सकने वाले किसी भी प्रकार के नुक्सानदायक प्रभावों से बचा जा सके।
- अपने बालों को कभी भी सूखा न छोड़ें। रसायनों से भरे क्रीम तथा लोशन की बजाय नारियल तेल बालों में लगाएं।
- सिर की त्वचा तथा बालों को बचाने के लिए आप बालों को बांध कर सिर पर हैट पहन सकती हैं।

स्वस्थ सेहत से भरा खाना

किचन में ओटमील या जई को रखें। यह इंस्टेंट एनर्जी का अच्छा स्रोत है। इसमें साधारण और जटिल कार्बोहाइड्रेट शामिल होते हैं। ये ब्लड शुगर लेवल को बढ़ने से रोकते हैं। यह आयरन का भी अच्छा स्रोत हैं। सुबह उठते समय थकान भी महसूस नहीं होती है। इसे पानी के साथ तैयार करके कम कैलोरी में अधिक एनर्जी पाई जा सकती है। फ्रूट सलाद, कस्टर्ड भी बेहतर एनर्जी फूड है। घर के कामकाज से थकी महिलाएं अपनी और दिनभर भागते-दौड़ते रहने वाले बच्चों की डाइट में इसे जरूर शामिल करें। एक्सरसाइज दिनचर्या का हिस्सा बन गया है। एक्सरसाइज या योग के दौरान कई बार बेचैनी महसूस होती है। एक बड़े पानी की बोतल

में संतरे या चकोतरे का ज्यूस मिलाकर रखें। थकावट महसूस होने पर इसके कुछ घूंट से प्यास बुझाएं। 3-4 घंटे के लिए घर से बाहर निकल रहे हैं तो साथ में कम कैलोरी वाले खाने-पीने की चीजें जैसे ताजे फल, दही, बिना क्रीमवाला दूध, ड्रायफ्रूट्स जरूर रखें। यह आपको कोल्ड ड्रिंक, डिब्बाबंद ज्यूस, फ्लेवर्ड मिल्क से दूर रखेगा। आप अतिरिक्त ऊर्जा लेने से बचेंगे। घर से शहद या मुरब्बा खाकर निकलें। सप्ताह की शुरुआत में ही कुछ तैयारियां कर लें। स्वास्थ्यवर्धक हरी सब्जियों और फलों को साफ कर अच्छी तरह काटकर साफ पॉलीथिन पाउच में पैक करके फ्रिज में रख दें। इससे सुबह कुकिंग के समय क्या हेल्दी पकाऊं जैसी टेंशन से छुटकारा मिलेगा। कोला को अपनी डाइट से बिलकुल बाहर कर दें। इसके एक कैन में कम से कम 10 चम्मच चीनी होती है, जो 20 मिनट में शरीर में एब्जॉर्व होकर फैट में बदल जाती है। साबुत अनाज की ब्रेड, सूखे मेवे, भुने चने, भुनी मूंगफली, मुरमुरे, पॉपकॉर्न जैसी चीजें हमेशा घर में रखें। अचानक भूख लगने पर कुछ भी ऊलजलूल खाने के बजाए इन्हें खाएं।

जब भी आप किसी मॉडल को देखती हैं तो मन में एक ही सवाल उठता है कि इनमें और हमारी पर्सनैलिटी में कोई ज्यादा फर्क नहीं, फिर भी ये हमसे अलग क्यों दिखती हैं। ये भी वही मेकअप प्रोडक्ट इस्तेमाल करती हैं, जो हम करती हैं या फिर जिन ब्यूटी प्रोडक्ट्स का यह विज्ञापन करती हैं, हम उन्हें खरीद कर इस्तेमाल करती हैं फिर भी जब देखो ये मॉडल्स हमेशा अलग-सी ही नजर आती हैं।

पाएं मॉडल्स जैसी खूबसूरती

बात केवल यह नहीं कि वे कौन-सा ब्यूटी प्रोडक्ट इस्तेमाल करती हैं,परंतु यह जानना बहुत जरूरी है कि वे अपने मेकअप के लिए कौन सी ट्रिक इस्तेमाल करती हैं। मॉडलिंग ग्लैमर का फील्ड है, जहां हर समय खूबसूरत एवं प्रैजेंटिंग दिखना बेहद जरूरी होता है, सो हर मॉडल अपने हिसाब से ही मेकअप करती है और इसके लिए वह पूरी तरह से डैडीकेटेड रहती है। उनके मेकअप टिप्स को सीखने एवं फॉलो करने के बाद आप भी उनके जैसी दिख सकती हैं।

डार्क एवं लाइट मेकअप कांबीनेशन

मॉडल्स के चेहरे या उनकी तस्वीरों को ध्यान से देखेंगी तो पता चलेगा कि कोई भी मॉडल जब अपने लिप्स पर डार्क मेकअप करती है, तो वह चेहरे पर हल्का मेकअप रखती है। जब चेहरे पर मेकअप डार्क होता है, तो वे होंठों पर नैचुरल कलर की लिपस्टिक को इस्तेमाल करती हैं। यही नहीं वे अपने चेहरे के दाग-धब्बों को हटाने के लिए थोड़ा सा कंसीलर इस्तेमाल करती हैं, जिस से उनका चेहरा उभर कर सामने आता है।

कंसीलर के दो शेड

मॉडल्स हमेशा कंसीलर के दो शेड्स इस्तेमाल करती हैं। इस से मेकअप की लुक अच्छी आती है। लाइट कंसीलर को आंखों के पास लगाएं तथा डार्क कंसीलर को चेहरे के बाकी हिस्सों पर अप्लाई करें। इससे आपके चेहरे पर काफी नैचुरल लुक आएगी, जो आपकी खूबसूरती को अलग पहचान देगी।

ड्रामैटिक और सिडक्टिव लिप्स

आपने हमेशा देखा होगा कि मॉडल्स के लिप्स बहुत आकर्षक दिखते हैं। यदि आप भी ऐसे ही लिप्स चाहती हैं, तो सबसे पहले लिप्स पर कंसीलर लगाएं, उसके बाद ही लिपस्टिक अप्लाई करें। आप चाहें तो रैड पैंसिल लाइनर से आऊटिंग दे सकती हैं। रैड कलर की लिपस्टिक ज्यादा हॉट दिखती है।

भरे हुए लिप्स

होंठों की वास्तविक शेप से हट कर लाइनिंग करना और उसके बाद होंठों पर ग्लॉसी लिपस्टिक लगा कर उन्हें निखारना ही भरे हुए लिप्स वाला मेकअप कहलाता है। इस प्रकार लिप्स बड़े और हॉट दिखने लगते हैं।

स्मोकी आइका

आंखों का मेकअप करने से पहले बेस तैयार कर लें। इसके लिए लाइट कलर का फाऊंडेशन लें और इसे लगाएं। फिर हल्के ग्रे कलर के पैंसिल लाइनर से ऊपर से नीचे की ओर अप्लाई करें। बाद में इसे हल्के हाथों से स्मज कर लें। इससे स्मोकी लुक आती है। यह सब करने के बाद ही मस्कारा लगाएं।

बालों के लिए

रूखे बालों पर थोड़ी सी मात्रा में फेस क्रीम लगाने से उनमें चमक आ जाती है, जिससे बाल अच्छी तरह सैट हो जाते हैं।

खुबसूरत आंखों के लिए अपनाइए घरेलू नुस्खे

आंखे शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग है। कई बार आंखे बिना आपके कुछ बोले ही बहुत कुछ कह जाती है। लेकिन क्या आपकी आंखे अपनी प्राकृतिक खुबसूरती खोती जा रही हैं। क्या थकान, नींद की कमी और स्ट्रेस ने आपकी आंखों का नूर छीन लिया है, तो परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है। क्योंकि हम आपको बताने वाले है कुछ ऐसे घरेलू टिप्स जिससे आपकी आंखो का खोया नूर फिर से लौट आएगा।

फल और सब्जियां खाएं

हेल्दी डाइट के अभाव में आंखे थकी-थकी सी लगती है। अपनी डाइट में सुधार कर आप अपनी आंखों को खुबसूरत बना सकते हैं। ज्यादा से ज्यादा फल और सब्जियां खाने से आंखे स्वस्थ रहती है और आपको थकावट से राहत मिलती है।

खीरे का ज्यूस

अगर आपकी आंखे के नीचे डार्क सर्कल्स हैं तो खीरे का ज्यूस निकाल कर उसे रूई की मदद से डार्क सर्कल्स पर लगाइए। 15 मिनट के बाद इसे धो लीजिए। 5 दिनों में ही आपको फर्क दिखने लगेगा।

उतर सकता है आंखों पर चढ़ा चश्मा

कम उम्र में चश्मा लग जाना आजकल एक सामान्य सी बात है। इस समस्या से जूझ रहे लोग इसे मजबूरी मानकर हमेशा के लिए अपना लेते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि अगर किसी कारण से एक बार चश्मा लग जाए तो वह उतर नहीं सकता।

चश्मा लगने के सबसे प्रमुख कारण आंखों की ठीक से देखभाल न करना, पोषक तत्वों की कमी या अनुवांशिक हो सकते हैं। इनमें से अनुवांशिक कारण को छोड़कर अन्य कारणों से लगा चश्मा सही देखभाल व खानपान का ध्यान रखने के साथ ही देसी नुस्खे अपनाकर उतारा जा सकता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे ही घरेलू नुस्खे जो आंखों की समस्या में रामबाण की तरह काम करते हैं.... पैर के तलवों पर सरसों के तेल की मालिश करके सोएं। सुबह के समय नंगे पैर हरी घास पर चलें व नियमित रूप से अनुलोम-विलोम प्राणायाम करें, आंखों की कमजोरी दूर हो जाएगी।

रामबाण दवा : शहद और दालचीनी

शरीर के अनेकों रोगों का निवारण करने की अद्भुत शक्ति है शहद और दाल चीनी के मिश्रण में. दुनिया के करीब सभी देशों में शहद पैदा होता है. आज के वैज्ञानिक इस तथ्य को स्वीकार कर चुके हैं कि शहद कई बीमारियों की अचूक औषधि है. वैज्ञानिक कहते हैं कि शहद मीठा जरूर है लेकिन अगर इसे सही मात्रा में सेवन किया जावे तो मधुमेह रोगी भी इससे लाभान्वित सकते हैं.

हृदय रोगों में उपयोगी: शहद और दालचीनी के पावडर का पेस्ट बनाएं और इसे रोटी पर चुपडकर खाएं. घी या जेली के स्थान पर यह पेस्ट इस्तेमाल करें. इससे आपकी धमनियों में कोलेस्टरोल जमा नहीं होगा और हार्ट अटेक से बचाव होगा. जिन लोगों को एक बार हार्ट अटेक

पड चुका है वे अगर इस उपचार को करेंगे तो अगले हार्ट अटेक से बचे रहेंगे. इसका नियमित उपयोग करने से द्रुत श्वास की कठिनाई दूर होगी. हृदय की धडकन में शक्ति का समावेश होगा. जैसे-जैसे मनुष्य बूढा होता है, उसकी धमनियां और शिराएं कठोर हो जाती हैं. शहद और दालचीने के मिश्रण से धमनी काठिन्य रोग में हितकारी प्रभाव देखा गया है.

संधिवात रोग: संधिवात रोगी दो बडे चम्मच शहद और एक छोटा चम्मच दालचीनी का पावडर एक गिलास मामूली गर्म जल से सुबह और शाम लें.

मूत्रपथ का संक्रमण: ब्लैडर इन्फ़ेक्शन होने पर दो बडे चम्मच दालचीनी का पावडर और एक बडा चम्मच शहद मिलाकर गरम पानी के साथ देने से मूत्रपथ के रोगाणु नष्ट हो जाते हैं.

उंगलियां देखकर चुनें जीवनसाथी

अगर आपकी आंखें जीवनसाथी की तलाश कर रही हैं तो सिर्फ रूप रंग देखकर किसी को दिल न दें। किसी को अपना दिल देने से पहले उसकी उंगलियों को जरूर देख लेना चाहिए। उंगलियों से व्यक्ति के स्वभाव गुण और भविष्य में होने वाली घटनाओं को जाना जा सकता है। विशेष रूप से महिलाओं के विषय में स्कंद पुराण में कहा गया है कि जिस स्त्री की उंगलियां बहुत छोटी होती है और दोनों हाथों से अंजली बनाने से उंगलियों के बीच खाली स्थान यानी छेद रह जाता है वह काफी खर्चीली होती हैं। यह अपने पति के धन को संचित करके नहीं रख पाती है। इन्हें जीवन में काफी कष्ट उठाना पड़ता है। जिन स्त्रियों की उंगलियों में तीन के स्थान पर चार पर्व यानी पोर होते हैं और उंगलियां छोटी एवं मांस रहित होती है वह स्त्री भी पति एवं स्वयं के लिए भाग्यशाली नहीं होती है।

सेब, टमाटर खाने से फेफड़े रहेंगे ठीक

सेब, टमाटर खाने से फेफड़े ठीक रहते हैं। धूम्रपान से हुआ नुकसान भी इससे ठीक होता है। खासतौर से सेबों खाने से फेफड़ों को हुए नुकसान की भरपाई हो जाती है। हाल ही में एक अध्ययन में ये बात सामने आई हैं। अध्ययन के अनुसार जो लोग धूम्रपान छोड़ देते हैं और टमाटर और फलों का ज्यादा सेवन करते हैं, उनमें 10 साल की अवधि में फेफड़ों की कार्यप्रणाली में गिरावट कम होती है। कमजोर फेफड़ों के कारण व्यक्ति की मौत की

संभावना बढ़ जाती है, जो कि क्रोनिक ऑबस्ट्रक्टिव पलमोनरी डिजिज (सीओपीडी), हृदय रोग और फेफड़ों के कैंसर के कारण होती है। प्रमुख शोधार्थी जॉन हापकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की असिस्टेंट प्रोफेसर वानेशा गारेसिया-लार्सन ने कहा कि इस शोध से पता चलता है कि यह आहार उन लोगों में फेफड़ों की क्षति की मरम्मत में मदद कर सकता है जिन्होंने धूम्रपान बंद कर दिया है। इससे यह भी पता चलता है कि फलयुक्त आहार फेफड़ों की प्राकृतिक बुढ़ापे की प्रक्रिया को धीमा कर सकता है भले ही आप कभी धूम्रपान न करते हों या धूम्रपान करना छोड़ चुके हों।

नाखून बताते हैं धनवान होंगे या रहेगी गरीबी

नाखूनों को सुन्दर और सजा-संवार कर रखने की बात यूं ही नहीं की जाती है। नाखून का आकार और इसका रूप रंग आपकी आर्थिक स्थिति और स्वाभव को भी दर्शाता है। गरूड़ पुराण में बताया गया है कि जिसके नाखून पीले होते हैं वह नपुंसक होता है। नाखूनों पर धब्बे हों और नाखून दिखने में अच्छे नहीं हों तो ऐसा व्यक्ति जीवन में बहुत उन्नति नहीं कर पाता है। इनकी आर्थिक स्थिति सामान्य होती है। नाखून टेढ़े-मेढ़ा और रेखा युक्त होना आर्थिक दृष्टि से प्रतिकूल स्थिति को दर्शाता है। उत्तम नाखून जो आर्थिक समृद्धि को दर्शाते हैं उनके विषय में कहा गया है कि, जिनके नाखून रेखा और धब्बा रहित चिकने और लालिमा युक्त होते हैं वह धनवान होता हैं। नाखून का आकार उंगली के पहले पोर का आधा होना उत्तम माना गया है।

सीधी बस दुर्घटना पीड़ितों को हरसंभव सहायता दी जायेगी - मुख्यमंत्री चौहान

मुख्यमंत्री ने दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को दी 7-7 लाख रूपये की सहायता राशि

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सीधी जिले में हुई बस दुर्घटना में मृतकों के परिजनों से मिलने आज उनके गाँव पहुँचे। परिजनों से मुलाकात कर मुख्यमंत्री ने दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि दुर्घटना पीड़ितों को सरकार की ओर से हरसंभव सहायता दी जायेगी। दुःख की इस घड़ी में राज्य सरकार पीड़ितों के साथ हैं। उन्होंने दुर्घटना में मृत व्यक्तियों के परिजनों को आर्थिक सहायता के रूप में 7-7 लाख रूपये के चेक प्रदान किये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज दोपहर 2 बजे सीधी जिले के ग्राम रामपुर नैकिन पहुँचकर बस दुर्घटना के शिकार अथर्व गुप्ता के घर पहुँचकर परिजनों को सांत्वना दी। रामपुर नैकिन में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जाकर दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की कुशल-क्षेम भी जानी। उन्होंने दुर्घटना पीड़ितों के समुचित उपचार के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य केन्द्र में उपचाररत विभा प्रजापति से मुलाकात कर इनके उपचार की जानकारी ली और दुर्घटना में उनके भाई दीपू प्रजापति की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रामपुर नैकिन में ही दुर्घटना में मृत विमला द्विवेदी के घर जाकर उनके परिजनों से मुलाकात कर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान सड़क मार्ग से चुरहट पहुँचे और रामनगर मोहल्ले में दुर्घटना में मृत श्यामलाल साकेत के परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। उन्होंने मृतक की पत्नी शांति साकेत, पुत्री कल्पना साकेत, पुत्र आकाश साकेत तथा आशीष साकेत को ढाँढस बंधाया। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा की पूरी व्यवस्था सरकार करेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ग्राम पचोखर में मृतका खुशबू पटेल के घर भी पहुँचे और परिजनों को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने ग्राम पडरिया में मृतक अनिल पटेल तथा ग्राम कुकड़ीझर में मृतक अमर ज्योति साकेत के घर जाकर उनके परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। मुख्यमंत्री के भ्रमण के समय पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक कल्याण एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री रामखेलावन पटेल, सांसद सीधी श्रीमती रीति पाठक, विधायक सीधी श्री केदारनाथ शुक्ला, विधायक चुरहट श्री शरदेन्दु तिवारी, श्री इन्द्रशरण सिंह, श्री सुभाष सिंह, अन्य जन-प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री चौहान ग्रामीण पथ-विक्रेताओं को देंगे ब्याज मुक्त ऋण की सौगात

वर्चुअल कार्यक्रम 18 फरवरी को, चौथी बार हो रहा सामूहिक ऋण वितरण कार्यक्रम

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 18 फरवरी को ग्रामीण पथ-विक्रेताओं को उनके रोजगार की बेहतरी के लिये ऋण वितरण करेंगे। मिंटो हाल भोपाल में दोपहर 12 बजे वर्चुअल होने वाले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान योजना के हितग्राहियों से संवाद भी करेंगे। प्रदेश में मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ-विक्रेता योजना में चौथी बार हितग्राहियों को एक साथ ऋण वितरण किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेंद्र सिंह सिसौदिया एवं राज्य मंत्री श्री राम खेलावन पटेल भी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ-विक्रेता योजना में अभी तक एक लाख से अधिक ग्रामीण प्रवासी श्रमिकों सहित अन्य जरूरतमंद पथ-विक्रेताओं को राज्य शासन की गारंटी पर 10-10 हजार रूपये का ब्याज मुक्त ऋण देकर लाभान्वित किया जा चुका है। योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में पथ-विक्रेता व्यवसाइयों को 10 हजार रूपये तक बैंक से कार्यशील पूंजी ऋण के रूप में उपलब्ध कराने में सहयोग करना, नियमित ऋण वापसी को प्रोत्साहित करना तथा छोटे

उद्यमियों को व्यापार-व्यवसाय में प्रशिक्षण में सहयोग देना है। योजना में राज्य शासन द्वारा प्रति हितग्राही रूपये 10 हजार तक के ऋण पर 14 प्रतिशत तक ब्याज अनुदान की प्रतिपूर्ति का भी प्रावधान है। योजना में राज्य शासन की क्रेडिट गारंटी रहेगी। योजना के पात्र हितग्राहियों को स्टाम्प ड्यूटी के प्रयोजनों से भी विमुक्त रखा गया है। योजना में 18 से 55 आयु वर्ग के ग्रामीण प्रवासी श्रमिक, गरीब परिवार और ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे परिवार की महिलाओं, जो आजीविका मिशन या तेजस्विनी परियोजना में गठित स्व-सहायता समूह की सदस्य हों, को लाभ दिया जाता है। शैक्षणिक योग्यता और जाति-वर्ग का कोई बंधन नहीं है।योजना को सरल एवं पारदर्शी बनाने के लिए कामगार सेतु पोर्टल बनाया गया है। पोर्टल के माध्यम से अभी तक 14 लाख 15 हजार से अधिक हितग्राहियों का पंजीयन कराया जा चुका है। इनमें से 1 लाख 41 हजार से अधिक हितग्राहियों के प्रकरण बैंक द्वारा स्वीकृत होकर 1 लाख से अधिक प्रकरण वितरण योग्य हैं। इनमें से 60 हजार से अधिक हितग्राहियों को ऋण राशि 24 सितम्बर, 12 नवम्बर एवं 21 दिसम्बर 2020 को वर्चुअल सामूहिक ऋण वितरण कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा वितरित की जा चुकी है। चौथी बार 18 फरवरी के कार्यक्रम में पुनः एक साथ लगभग 40 हजार से अधिक पथ-विक्रेताओं को ऋण वितरण किया जायेगा।

गोविन्दपुरा स्थित संभागीय आईटीआई के निर्माणाधीन भवन का किया निरीक्षण

फ्यूचरिस्टिक टेक्नालॉजी पर कार्य करें - सिंधिया

भोपाल। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने बुधवार को गोविन्दपुरा स्थित निर्माणाधीन संभागीय आईटीआई भवन का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि एडीबी प्रोजेक्ट के तहत दस संभागीय आईटीआई का चयन किया गया है। इसमें भोपाल, ग्वालियर, होशंगाबाद, रीवा, सागर, जबलपुर, भिण्ड, उज्जैन, इंदौर और शहडोल शामिल है। भोपाल स्थित गोविन्दपुरा में स्थापित तीन आईटीआई मॉडल, गैस राहत तथा महिला आईटीआई को मर्ज कर संभागीय आईटीआई के रूप में संचालित किया जायेगा। तकनीकी शिक्षा मंत्री श्रीमती सिंधिया ने आईटीआई के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि हम प्रदेश के आईटीआई को उच्चतम स्तर का बनाने की कोशिश कर रहे हैं। गोविन्दपुरा आईटीआई को दूसरों के लिये मिसाल के रूप में स्थापित करना है। उच्च-स्तरीय और बेहतर मटेरियल का इस्तेमाल करें। मंत्री श्रीमती सिंधिया ने कहा कि आईटीआई में हम सिर्फ पारम्परिक ट्रेड को ही नहीं सिखायें। हमारी कोशिश रहनी चाहिये कि हम फ्यूचिरिस्टिक तकनीकों का आईटीआई में युवाओं को प्रशिक्षण दें। इसके लिये उन्हें हमें ऐसा माहौल भी देना होगा। उन्होंने अधिकारियों को अगले दो सप्ताह के कार्य और समय-सीमा का शेड्यूल तैयार कर देने के निर्देश दिये। तकनीकी शिक्षा मंत्री श्रीमती सिंधिया ने कहा कि सौंदर्यीकरण एवं मौजूदा भवन का और कैसे उन्नयन किया जा सकता है, इसके लिए ड्रोन मेपिंग करें। उन्होंने निर्माण कार्य में इस्तेमाल हो रही सामग्री की गुणवत्ता पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। शासन द्वारा इस प्रोजेक्ट पर करोड़ों रुपये खर्च हो रहे हैं, जवाबदेही तो बनती है। परिसर के हर इंच की जमीन का उपयोग सही तरीके से करें। भवन में उच्च गुणवत्ता की लाइट फिटिंग, टाइल्स, प्रशासनिक भवन में फायर स्प्रिंकलर्स आदि का इस्तेमाल सुनिश्चित करें।श्रीमती सिंधिया ने सचिव तकनीकी शिक्षा श्री मुकेश चन्द्र गुप्ता को अधिकारियों के साथ पुनः सभी विषयों पर समीक्षा करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर सचिव तकनीकी शिक्षा श्री मुकेश चन्द्र गुप्ता, जीएसपी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री हरजिंदर सिंह, हाउसिंग बोर्ड तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

महाबैंक कर्मचारी एक और जंग के पथ पर अग्रेसर!

भोपाल। आज महाबैंक की विभिन्न 1900 शाखाओं में कार्यरत लगभग 6000 कर्मचारीयों ने, अपनी समयोचित मांगो के लिये, सीने पर बॅज लगाकर, अपनी मांगों का प्रदर्शन किया और सरकार के इस ओर ध्यानाकर्शण हेतु पहला कदम उठाया। इसमे प्रमुख रूप से, अंशकालीन सफाई कर्मचारी, अधिनस्थ कर्मचारी और लिपीकों की स्थायी नियुक्ती की मांग की गयी है। वर्तमान में, लगभग 1100 से अधिक शाखाओं में अंशकालीन कर्मचारी एवं 600 से अधिक शाखाओं में, स्थायी कर्मचारी नियुक्त नही किये गये, फलस्वरूप, यह कार्य, दैनिक वेतन पर अस्थायी कर्मचारीयों द्वारा करवा जा रहा है, लेकिन, उन्हे भी, न्युनतम वेतन अधिनियम के अंतर्गत देय वेतन से वंचित रखा जा रहा है।

यात्री बसों के सुव्यवस्थित संचालन के लिये चलेगा विशेष चेकिंग अभियान

परिवहन मंत्री राजपूत ने दिये निर्देश

भोपाल। परिवहन एवं राजस्व मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने यात्री बसों के प्रभावी और सुव्यवस्थित संचालन के लिये प्रदेशव्यापी अभियान चलाने के निर्देश अपर मुख्य सचिव परिवहन को दिये हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विशेष चेकिंग अभियान भी चलाया जाये। परिवहन मंत्री ने बताया कि प्रदेश-स्तर पर चलाये जाने वाले 7 दिवसीय अभियान में संचालित यात्री वाहनों के परमिट की वैधता, बसों के फिटनेस प्रमाण-पत्र, परमिट से भिन्न मार्ग पर चलने वाले यात्री वाहन, क्षमता से अधिक सवारी ले जाने वाले, भोपाल और इंदौर जैसे बड़े शहरों में चलने वाली यात्री बसों की छतों पर सामान ले जाने, बीमा एवं टैक्स संबंधी प्रपत्रों की जाँच की जायेगी। इनमें से

कोई भी कमी पाये जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। परिवहन मंत्री ने कहा कि यात्री वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की एक वजह वाहनों का निर्धारित गति से अधिक रफ्तार से चालन भी है। यात्री बस के ड्रायवर-कंडक्टर अधिक सवारियों के लोभ में तेज गति से वाहन दौड़ाते हैं, जिससे वाहनों की तेज गति दुर्घटना का कारण बनती है। उन्होंने कहा कि इस पर अंकुश लगाने के लिये यात्री बसों में स्पीड गवर्नर लगाये जाने के संबंध में पूर्व में निर्देशित किया गया था। चैकिंग के दौरान अधिकारी स्पीड गवर्नर लगे हैं या नहीं, यह भी चेक करे। उन्होंने कहा कि यात्री बसों में ओव्हर-लोडिंग अर्थात् क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाने के कारण भी दुर्घटनाएँ होती हैं, इस पर भी ध्यान दें। किसी भी हालत में यात्रियों की जान-माल से समझौता नहीं किया जायेगा।

प्रदेश में वन क्षेत्र का बढ़ना पूरी दुनिया के लिए शुभ समाचार : मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल वन विहार में आरंभ करें नाइट सफारी, वन अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री ने किया संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि वन क्षेत्र में नवाचार बढ़ाने की आवश्यकता है। भोपाल में वन विहार अपने आप में एक बड़ी सौगात है। इसे ऐसे मॉडल के रूप में विकसित करें कि सिंगापुर से भी लोग नाइट सफारी के लिए यहाँ आएं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में वन क्षेत्र बढ़ना दुनिया के लिए शुभ समाचार है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में यह मनुष्य ही नहीं, प्राणी मात्र की रक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए वन विभाग को बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रशासन अकादमी में मुख्य वन संरक्षक एवं वनमण्डलाधिकारियों की एक दिवसीय कार्य-शाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्जवलित कर कार्य शाला का शुभारंभ किया। वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, प्रमुख सचिव वन श्री अशोक वर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री राजेश श्रीवास्तव कार्यशाला में उपस्थित थे मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जनता की सेवा और पर्यावरण संरक्षण वन सेवा के अधिकारियों और कर्मचारियों का दायित्व है। वन क्षेत्र में रह रहे भाई-बहनों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहना जरूरी है। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी पात्र व्यक्तियों को बिना किसी परेशानी के वनाधिकार अधिनियम के अंतर्गत पट्टे प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को बचाने की जितनी जिम्मेदारी वनवासियों की है, उतनी ही सभ्य समाज की भी है। अतः यह देखना जरूरी है कि वनवासियों को किसी भी प्रकार से प्रताड़ित न किया जाए। वन क्षेत्र में सक्रिय विभिन्न माफिया पर सख्त कार्यवाही आवश्यक है। यह सुनिश्चित किया जाए कि वन क्षेत्र में नए कब्जे न हों। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश के टाईगर स्टेट बनने और प्रदेश में तेंदुआ, घड़ियाल और

गिद्धों की संख्या बढ़ने पर वनाधिकारियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वन क्षेत्र का विस्तार जनता के सहयोग से ही हुआ है। इसमें वन समितियों का कार्य चमत्कारिक है। झाबुआ इसकी मिसाल है। इन्दौर में कार्बन क्रेडिट की दिशा में समाज के स्तर पर हुए कार्य की भी सराहना की गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कृषि वानिकी को बढ़ाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि अपनी जमीन पर लगे पेड़ों के उपयोग के संबंध में नियमों को सरल करने की जरूरत है। वनाधारित गतिविधियों और वनोपज के विक्रय में रोजगार के अवसर बढ़ाने की आवश्यकता है। कोरोना काल में वन औषधियों का महत्व बढ़ा है। हमें वन क्षेत्र से लकड़ी के अलावा और किन-किन गतिविधियों से आय हो सकती है, इस पर विचार करना होगा। वन और आजीविका को जोड़कर यदि हम गतिविधियों का संचालन करें तो लोग स्वयं वन बचाऐंगे। उन्होंने मनुष्य और वन्य-प्राणी संघर्ष की स्थितियों से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वन अमले की सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में वन का योगदान दो प्रतिशत है। इसे बढ़ाकर हमें पाँच प्रतिशत करना है। आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए निर्धारित रोडमैप के अंतर्गत वन विभाग से संबंधित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्थानीय जलवायु के अनुसार प्राकृतिक रूप से लगने वाली वृक्ष प्रजातियों को वृक्षारोपण में महत्व देने की आवश्यकता बताई। वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में वन विभाग, वन और वन्य-प्राणियों की सुरक्षा तथा वनों के विस्तार में सफल रहा है। हम मध्यप्रदेश को वन आधारित गतिविधियों में देश में प्रथम स्थान पर लाने की ओर अग्रसर हैं। वन मंत्री ने वनों और वन विभाग के कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए नियमों में संशोधन की आवश्यकता बताई।

अर्जुन तेंदुलकर ने खेली आक्रामक पारी, पुलिस शील्ड टूर्नामेन्ट

मुम्बई। ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर ने 73वें पुलिस शील्ड टूर्नामेन्ट में एमआईजी क्लब की ओर से शानदार प्रदर्शन कर आईपीएल नीलामी से ठीक पहले अपना दावा और पक्का किया है। अर्जुन ने केवल 23 गेंदों पर 5 छक्के लगाकर 47 रन बनाए। अर्जुन आईपीएल नीलामी के लिए नामांकित खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं हालांकि उनका आधार मूल्य सबसे कम 20 लाख रुपये हैं। अब देखना होगा कौन सी टीम उनपर दांव लगाएगी। इससे पहले मैच में भी अर्जुन ने 71 रनों की पारी खेली थी। अर्जुन ने इस पारी के दौरान एक ओवर में 5 छक्के भी लगाये थे। इसके अलावा उन्होंने तीन विकेट भी लिए थे। इससे साफ है कि अर्जुन गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी में भी पीछे नहीं हैं। अर्जुन को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में किये प्रदर्शन के आधार पर आईपीएल में जगह मिली है।

मेलबोर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में खेलती हुई अमेरिका की सेरेना विलियम्स।

आईपीएल के लिए अपने खिलाड़ियों को एनओसी देगा न्यूजीलैंड

मुम्बई। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के लिए खिलाड़ियों को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दिया जाएगा। जिससे ये खिलाड़ी आईपीएल के पूरे सत्र में भाग ले सकें। एनओसी के साथ ही ये भी पक्का किया गया है कि न्यूजीलैंड के खिलाड़ी आईपीएल 2021 के पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट के प्रवक्ता रिचर्ड बूक ने कहा, बोर्ड खिलाड़ियों को एनओसी देगा और कीवी खिलाड़ी आईपीएल के पूरे संस्करण के लिए उपलब्ध होंगे। इससे पहले कहा जा रहा था कि इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों के कारण कीवी खिलाड़ी प्लेऑफ मुकाबले नहीं खेल पाएंगे पर न्यूजीलैंड क्रिकेट के प्रवक्ता के बयान से इन अफवाहों पर विराम लग गया है। आईपीएल के इस साल 2021 अप्रैल के दूसरे सप्ताह से शुरू होने की उम्मीद है।

अर्जुन तेंदुलकर ने खेली आक्रामक पारी, पुलिस शील्ड टूर्नामेन्ट

मुम्बई। ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर ने 73वें पुलिस शील्ड टूर्नामेन्ट में एमआईजी क्लब की ओर से शानदार प्रदर्शन कर आईपीएल नीलामी से ठीक पहले अपना दावा और पक्का किया है। अर्जुन ने केवल 23 गेंदों पर 5 छक्के लगाकर 47 रन बनाए। अर्जुन आईपीएल नीलामी के लिए नामांकित खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं हालांकि उनका आधार मूल्य सबसे कम 20 लाख रुपये हैं। अब देखना होगा कौन सी टीम उनपर दांव लगाएगी। इससे पहले मैच में भी अर्जुन ने 71 रनों की पारी खेली थी।

डुप्लेसी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। डुप्लेसी ने सोशल मीडिया पर कहा कि वह खेल को अलविदा कह रहे हैं और यह उसके लिए सही समय है। डुप्लेसी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर लिखा कि मेरा दिल इस फैसले को लेकर पूरी तरह स्पष्ट है। यह नई शुरुआत करने के लिए बिल्कुल सही समय है। डुप्लेसी ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 69 टेस्ट में 40 से कुछ ज्यादा की औसत से 4163 रन बनाए थे। उन्होंने इस प्रारुप में कुल 10 शतक और 21 अर्धशतक लगाए थे। डुप्लेसी ने कोरोना महामारी को लेकर लिखा, %%यह हम सभी के लिए कठिनाई से लड़कर आगे बढ़ने वाला साल रहा। कभी अनिश्चितता भी रही, पर इससे कई पहलुओं को लेकर मेरी स्पष्ट राय बनी। मेरा दिल साफ है और यह नए अध्याय की शुरुआत करने के लिए सही समय है।%% उन्होंने कहा, %%खेल के सभी प्रारूपों में देश का प्रतिनिधित्व करना सम्मान है, पर अब मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का समय आ गया है।%%

डुप्लेसी ने कहा, %%अगले दो साल आईसीसी टी20 विश्व कप होगा। इस वजह से मैं अपना ध्यान इस प्रारूप पर केंद्रित कर रहा हूं।%% उन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट और टी20 कप्तान का पद छोड़ दिया है। उन्होंने साल 2016 में एबी डिविलियर्स से यह जिम्मा संभाला था। डुप्लेसी ने हाल में ही पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज खेले थे पर अधिक रन नहीं बना पाये। उन्होंने पहले टेस्ट में 33 और दूसरे में 22 रन बनाए थे। दोनों ही टेस्ट में मेजबान टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराया था। इसके बाद से ही उनके फॉर्म को लेकर सवाल उठ उठने लगे थे। हालांकि, उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ दो महीने पहले हुई घरेलू टेस्ट सीरीज में शानदार बल्लेबाजी की थी। सेंचुरियन में हुए पहले टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 199 रन बनाए थे। यह उनके टेस्ट करियर का सर्वाधिक स्कोर भी था।

हार से लें वापसी की सीख : रूट

चेन्नई। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जो रूट ने कहा है कि दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में मिली हार से हमें सबक सीखना चाहिये। रुट ने कहा कि हमें भारतीय टीम से सीखना होगा कि किस प्रकार पिछड़ने के बाद वापसी की जाती है। रूट ने कहा कि हमारे लिए यह किसी शिक्षा की तरह था। हमें जल्दी से सीखना होगा क्योंकि कई बार आपको ऐसे हालातों का सामना करना पड़ता है। रूट हालांकि यह मानने को तैयार नहीं हैं कि इंग्लैंड की टीम अब श्रृंखला में वापसी नहीं कर पाएगी। उन्होंने उम्मीद जताई की टीम अपने पिछले प्रदर्शनों से सबक लेगी। जैसा कि मैंने पिछले मैच के बाद कहा था कि यह जरूरी है कि हमारे कदम जमीन पर ही रहें। ऐसे में जब हम जीतते हैं तो हमें ज्यादा खुश होने की जरूरत नहीं होती। वहीं इसी प्रकार जब हारते है तो हमें ज्यादा निराश होने की जरूरत नहीं है। रूट ने कहा कि हमने पहले भी काफी कठिन हालातों में अच्छा प्रदर्शन किया है हालांकि यह सही है कि इस मैच में हम तीनों ही क्षेत्रों में पिछड़े हैं। हम यह देखेंगे कि उन्होंने स्पिनरों की मददगार पिच चीजों को कैसा किया। यहां हमने जितना सोचा था गेंद को उससे ज्यादा उछाल मिल रही थी। हम हालांकि इसे सीखने के नजरिए देखेंगे और यह तय करेंगे कि अगली बार बेहतर प्रदर्शन करें। चेपॉक मैदान की इस पिच को लेकर रूट ने कहा कि यह चुनौतीपूर्ण विकेट था। टॉस जीतना जरूरी था लेकिन वह भी जीत की गारंटी नहीं देता। वहीं भारतीय टीम ने यह दिखाया कि इस पिच पर रन बनाए जा सकते हैं और उससे निपटने का तरीका निकाला जा सकता है। हमें भारत से सीखने की जरूरत है। रूट ने कहा कि उनके गेंदबाजों को बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखना होगा। उन्होंने कहा कि एक गेंदबाजी इकाई के तौर पर हमने लगातार दबाव बनाये रखने के बारे में बात की थी।

मेलबोर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में रिटर्न शॉट लगाते हुए सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच।

आईपीएल में दर्शकों के प्रवेश पर अभी फैसला नहीं लिया : गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि गुजरात के मोटेरा स्टेडियम में होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश मिल सकेगा। एक साल बाद दर्शकों को स्टेडियम में देखकर हमें खुशी होगी। गांगुली ने साथ ही कहा कि यह क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत है हालांकि अप्रैल में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14वें सत्र में दर्शकों की वापसी होगी या नहीं, इसे लेकर अभी फैसला नहीं किया गया है। आईपीएल के 14वें सीजन के लिए 18 फरवरी को चेन्नई में खिलाड़ियों की नीलामी होगी। इसके लिए अंतिम सूची में शामिल 292 खिलाड़ियों में से 61 का चयन होगा। गांगुली ने इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने के लिए गुलाबी गेंद से टेस्ट आयोजन को एक अच्छा प्रयास बताया है। उन्होंने कहा कि सीरीज में एक दिन-रात्रि मैच होना अच्छी बात है। इससे टेस्ट क्रिकेट को लेकर रुचि बरकरार रहेगी। उन्होंने साथ ही कहा कि हर पीढ़ी बदलाव के दौर से गुजरती है। टेस्ट क्रिकेट के लिए गुलाबी गेंद यही बदलाव है। ऐसे में टेस्ट क्रिकेट को बनाये रखने के लिए ऐसी कोशिशें होना जरूरी है. भारत और इंग्लैंड के बीच भी चार टेस्ट की सीरीज का तीसरा मुकाबला अहमदाबाद के नए बने मोटेरा स्टेडियम में 24 फरवरी से खेला जाएगा। इस डे-नाइट टेस्ट में प्रशंसकों को स्टेडियम में प्रवेश मिलेगा। यह भारत में गुलाबी गेंद से होने वाला दूसरा टेस्ट होगा। इससे पहले साल 2019 में कोलकाता में दिन-रात्रि टेस्ट हुआ है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें फिर बढ़ी

मुंबई। घरेलू बाजार में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसीएस) ने बुधवार को लगातार 9वें दिन पेट्रोल और डीजल के दाम में बढ़ोतरी कर दी है। इंडियन ऑयल वेबसाइट के मुताबिक राजस्थान के श्रीगंगानगर में पेट्रोल के दाम 100.13 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 92.13 रुपए प्रति लीटर पहुंच गए हैं। दिल्ली में पेट्रोल 25 पैसे और डीजल 25 पैसे महंगा हो गया है। देश भर में पेट्रोल के दाम 23 पैसे से 26 पैसे तक बढ़ गए हैं और डीजल 34 पैसे से लेकर 26 पैसे तक बढ़े हैं। भोपाल में तो एक्स्ट्रा प्री ?मियम पेट्रोल के दाम 100.44 रुपए प्रति लीटर पहुंच गए हैं। दिल्ली में 17 फरवरी को पेट्रोल और डीजल के दाम में बदलाव हुआ है। पेट्रोल कल के भाव में 89.29 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 89.29 यानी 25 पैसे की बढ़ोतरी हुई है।

अमेजन जल्द शुरू करेगी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज की मैन्युफैक्चरिंग

नई दिल्ली। अमेजन भारत में जल्द ही इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज की मैन्युफैक्चरिंग शुरू करने वाली है। यानी कंपनी के फायर टीवी स्टिक जैसे इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स पर जल्दी की मेड इन इंडिया का लेबल लगा हुआ देखने में मिलेगा है। अमेजन इंडिया के प्लान की जानकारी केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने दी है। प्रसाद ने अमेजन इंडिया के ग्लोबल सीनियर वाइस प्रेसिडेंट व कंट्री हेड अमित अग्रवाल और अमेजन में पब्लिक पॉलिसी के वाइस प्रेसिडेंट चेतन कृष्णास्वामी से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बात की। इसके बाद उन्होंने जानकारी दी कि अमेजन इंडिया भारत में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज की मैन्युफैक्चरिंग शुरू करने वाली है। मैन्युफैक्चरिंग प्लांट चेन्नई में लगाया जाएगा। प्रसाद का कहना है कि अमेजन भले ही ग्लोबल कंपनी हो लेकिन अमेजन इंडिया को सच्ची भारतीय कंपनी के तौर पर उभरना चाहिए, जो भारत के कारोबारी समुदाय व संस्कृति से जुड़ी हुई हो। अमेजन इंडिया को भारत के कारीगरों के उत्पादों को ग्लोबल मार्केट तक ले जाना चाहिए।

सोनी ए003एसओ 6जीबी रैम के साथ आएगा

जल्द हो सकता है लॉन्च

नई दिल्ली। इलेक्ट्रा निक्स प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी सोनी के एक नए स्मार्टफोन को बेंचमार्किंग प्लैटफॉर्म गीकबेंच के डेटाबेस में देखा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस फोन का मॉडल नंबर %सोनी ए003एसओ % है। यह एक्सपेरिया10 का जापानी वेरियंट हो सकता है। गीकबेंच लिस्टिंग की मानें तो सोनी ए003एसओ 6जीबी रैम और ऐंड्रॉयड 11 ओएस के साथ आएगा। सोनी के इस अपकमिंग स्मार्टफोन में क्वालकॉम चिपसेट लगा है जिसका कोडनेम %लीटो% है। इस कोडनेम से फोन के प्रोसेसर के अंदाजा लगाना आसान नहीं है। हालांकि, ऐसी उम्मीद की जा रही है कि इस फोन में कंपनी स्नैपड्रैगन 600 चिपसेट ऑफर कर दे। फोन को गीकबेंच के सिंगल-कोर टेस्ट में 601 और मल्टी-कोर टेस्ट में 1821 अंक मिले हैं। लुक्स की बात करें तो इस फोन का डिजाइन काफी हद तक एक्सपेरिया10 जैसा हो सकता है। फोटॉग्रफी के लिए एक्सपेरिया10 में 12 मेगापिक्सल के प्राइमरी कैमरा के साथ एक 8 मेगापिक्सल का टेलिफोटो सेंसर और एक 8 मेगापिक्सल का सुपरवाइड सेंसर दिया गया है। कंपनी इस फोन को इस महीने के खत्म होने से पहले पेश कर सकती है। बीते दिनों आई रिपोर्ट्स में कहा गया था कि एक्सपेरिया10 में स्नैपड्रैगन 690 5जी प्रोसेसर मिल सकता है। ऐसे में इस बात की भी संभावना भी जताई जा रही है कि सोनी ए003एसओ ही एक्सपेरिया10 हैंडसेट है। पिछले महीने एक टिप्स्टर ने एक्सपेरिया10 हैंडसेट के सीएडी रेंडर्स को शेयर किया था। इस रेंडर के अनुसार फोन में ठीक-ठाक बेजल के साथ 6 इंच की स्क्रीन दी गई है। फोन में दो फ्रंट स्पीकर के साथ साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट रीडर भी दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

तीन मकानों के ताले चटके पंचायत कार्यालय में चोरी

ग्वालियर। शातिर चोर अलग-अलग थाना क्षेत्रों में तीन मकानों के ताले चटका कर नगदी गहने सहित हजारों का माल चोरी कर ले गए ।वहीं थाटीपुर थाना क्षेत्र में पंचायत कार्यालय से भी चोर कीमती सामान समेट ले गए ।पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू कर दी है ।जानकारी के अनुसार बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के विनय नगर निवासी कविता राय के मकान के ताले चटका कर चोर 60 हजार की नगदी तथा चांदी के लक्ष्मी गणेश जी की मूर्ति के साथ अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। वहीं इसी थाना क्षेत्र के विनय नगर निवासी अभिभाषक नितिन गोयल के मकान के ताले चटका कर चोर नकदी तथा अन्य सामान चोरी कर ले गए। एक अन्य जानकारी के अनुसार थाटीपुर थाना क्षेत्र के शिव नगर निवासी लालचंद के महान पर धावा बोलकर चोर सोने-चांदी के गहने तथा अन्य सामान चोरी कर ले गए । इसी थाना क्षेत्र के पंचायत कार्यालय में बीती रात चोरों ने धावा बोल दिया और वहां से एंपलीफायर 8 माइक तथा अन्य कीमती सामान समेट ले गए पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

सुसाइड नोट लिख - युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या-

ग्वालियर। शहर थाटीपुर थाना क्षेत्र में बीती रात पत्नी और ससुराल के लोगों से दुखी होकर एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मतृक न्यायालय में कर्मचारी था। युवक ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है। जिसमे सास, ससुर ओर साडू पर वैवाहिक जीवन बिगाड़ने की बात लिखी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार थाटीपुर थाना क्षेत्र के एफ 43 निवासी बलबहादुर कोरकू पुत्र हरीश चंद्र कोरकू न्यायालय में कर्मचारी था। कुछ समय से उसका पत्नी से मन मुटाव चल रहा था। पत्नी ने उस पर दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया है। बीती रात उसने पत्नी से मोबाइल पर बात की। उसने पत्नी से आने का कहा तो वह तैयार भो गई। वह अपने सरकारी आवास पर पहुंचा और घर की साफ सफाई करना शुरू कर दी।

जल संरक्षण, बिजली बचाओ एवं स्वच्छ ग्वालियर के उद्देश्य को लेकर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने निकाली पदयात्रा

स्वच्छ, सुंदर शहर व भयमुक्त वातावरण के लिए सभी करें सहयोग

ग्वालियर। प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने स्वच्छता, जल संरक्षण एवं बिजली बचाओं के लिए निकाली जा रही पदयात्रा के दौरान आमजन से अपील करते हुए कहा कि आज से हम न माला पहनेगें और न ही पहनाएगें। माला के 20-20 रूपये इकठ्ठा कर जनकल्याण ट्रस्ट बनाकर उसमें जमा करेगें, साथ ही मैं अपने एक माह का वेतन भी उस ट्रस्ट में जमा करूंगा। वर्ष भर में जितना भी पैसा इकठ्ठा होगा उस पैसे को जरूरतमंद बेटियों के कन्यादान एवं उसकी शिक्षा पर खर्च किया जायेगा। ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में स्वच्छता अभियान, पानी बचाओ अभियान के साथ ही गंदे पानी से निजात हेतु टोंटी लगाओ अभियान, बिजली बचाओ अभियान और पर्यावरण संरक्षण के लिये जन जागृति हेतु प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री तोमर द्वारा पदयात्रा निकाली जा रही है। पदयात्रा के दौरान मंत्री श्री तोमर ने कहा कि शहर हम सभी का है इसको स्वच्छ, सुंदर व भयमुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। सभी अपनी अपनी जिम्मेदारी से कार्य करें तो हम अपने शहर को स्वच्छता में प्रथम स्थान पर ला सकते हैं। पदयात्रा का शुभारंभ पाताली हनुमान मंदिर हजीरा से सडक सुरक्षा जीवन रक्षा यातायात जागरूकता की विशाल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पदयात्रा के दौरान ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने पाताली हनुमान मंदिर की रोड के दोनों तरफ का नाला खुला हुआ था। उसको देखते ही निगम के अधिकारियों से चर्चा कर उक्त नाले के पटाव व जाली लगाने के लिए कहा। साथ ही कहा कि बरसात के दिनों में जलभराव की समस्या का निदान भी किया जाये। पदयात्रा के दौरान सभी दुकानदारों से स्वच्छता की अपील करते हुए कहा कि कचरा सिर्फ डस्टबिन में ही डालें साथ ही कचरा गाडी आने पर उसी में डालें। पदयात्रा के दौरान चाय, नास्ता, फल, सब्जी के लगने वाले ठेलों को एक-एक डस्टबिन देते हुए उनसे शहर को स्वच्छ बनाये रखने की अपील की। साथ में चल रहे निगम अमले द्वारा दुकान पर गंदगी पाये जाने पर 200-200 रूपये की स्वच्छता की रसीद भी काटी । पदयात्रा तानसेन नगर में पहुंचने पर क्षेत्र के निवासियों ने कचरा ठिया हटाने के लिए कहा जिस पर मंत्री श्री तोमर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसी के साथ उनको सीवर चेम्बर ओवर फ्लो मिलने पर खुद ही चेम्बर के ढक्कन को खोला और अधिकारियों को निर्देशित किया कि आज में आखरी बार आपसे बोल रहा हूँ कि समस्या का निदान तुरंत किया जाये, नही तो अगली बार मैं सुनुंगा नही सीधी कार्यवाही करूंगा। पदयात्रा के दौरान गली में बच्चों को क्रिकेट खेलते हुए देखा तो ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने भी बच्चों के साथ क्रिकेट खेला और बच्चों से कहा कि शहर को स्वच्छ बनाये रखने में आपका भी सहयोग हमें चाहिए। पदयात्रा गोसपुरा नम्बर 2 में पहुंचने पर महिलाओं ने मंत्री श्री तोमर को पहले खाना खिलाया, फिर अपनी अपनी समस्या बताते हुए कहा कि क्षेत्र में गंदे पानी की समस्या काफी समय से बनी हुई है। साथ ही कई परिवारों को राशन नहीं मिल रहा है। इस पर साथ चल रहे अधिकारियो से समस्या के निराकरण के लिए त्वरित कार्यवाही के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि पदयात्रा के दौरान जितनी भी समस्यायें आ रही हैं उन समस्याओं में से जितनी समस्याओं का निराकरण आज हो सकता है उनका समाधान तुरंत किया जाये तथा बाकि समस्याओं का तय समय सीमा मे निराकरण किया जाये। साथ ही बिल के अधिक आने व आंकलित खपत के बिल आने की शिकायत भी मंत्री श्री तोमर से पदयात्रा के दौरान क्षेत्र वासियों ने की। इस पर साथ में चल रहे विद्युत विभाग के अधिकारियों को तुरंत बिलों के निराकरण के लिए निर्देशित किया। पदयात्रा के दौरान बडी संख्या में क्षेत्र के नागरिकगणों ने उत्साह से भाग लिया। पदयात्रा का शुभारंभ पाताली हनुमान से किया गया, पदयात्रा गोसपुरा, तानसेन नगर, रमटापुरा, खिडकी मौहल्ला, प्रजापति मौहल्ला, होलीपुरा, कोटा वाला मौहल्ला, खारा कुआ, रेती फाटक, महाविहार कॉलोनी बद्री प्रसाद कॉलोनी, यादव मौहल्ला, लवकुश विहार, तुलसी विहार, ख्वाजा नगर, सेवा नगर पार्क, लोहा मंडी, गुदडी मौहल्ला, गुरूद्वारा नूरगंज होते हुए सेवा नगर पार्क पर पदयात्रा का समापन किया गया। साथ ही पदयात्रा में सभी विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे और आमजन की समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री तोमर के द्वारा निकाली जा रही पदयात्रा के दौरान जब पदयात्रा तानसेन नगर पहुँची तो मंत्री श्री तोमर ने घरों के दरवाजे पर खडे होकर पहले घंटी बजाई जब कोई घर से बाहर आया तो, उससे अपील करते हुए कहा कि यह शहर हम सभी का है इसको साफ, स्वच्छ बनाये रखने की जिम्मेदारी भी हम सभी की है। साथ ही हमें जल बचाना है ।

घरों की घंटी बजाकर किया स्वच्छता के प्रति आमजन को जागरूक

सरकारी जमीन बेचने वाले 9 भू-माफियाओं के खिलाफ एफआईआर

कलेक्टर सिंह के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम ने कराई एफआईआर

ग्वालियर। जिले में एंटी माफिया अभियान के तहत भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। इस कड़ी में भोली-भाली जनता को शासकीय माफी औकाफ की जमीन को आवासीय प्लाट के रूप में छलपूर्वक बेचने वाले वाले 9 आरोपियों के खिलाफ राजस्व विभाग की टीम ने पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में एकतापुरी हरिजन बस्ती के पास गुढ़ी निवासी कुछ फरियादी पहुँचे थे। इन फरियादियों द्वारा दिए गए शिकायती आवेदन की प्रारंभिक जाँच में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह को जमीन संबंधी इस धोखाधड़ी का पता चला था। उन्होंने इस प्रकरण से संबंधित आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश तहसीलदार श्रीमती शिवानी पांडेय को दिए थे। इसी परिपालन में पुलिस थाना माधौगंज में एफआईआर दर्ज कराई गई है। कुशवाह कॉलोनी गुढ़ा-गुड़ी का नाका लश्कर क्षेत्र के निवासी कुछ लोगों ने कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में पहुँचकर शिकायत की थी कि हमारे नाम से आवासीय जमीन के कागजात होने के बाबजूद हमें बेदखली के नोटिस मिले हैं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने उनके आवेदन की जाँच-पड़ताल की तो पता चला कि इन लोगों को भूमाफियाओं ने छलपूर्वक सरकारी जमीन के प्लाट बेचे हैं। इस प्रकार की धोखाधड़ी का पता चलने पर कलेक्टर श्री सिंह ने तहसीलदार श्रीमती शिवानी पाण्डे को निर्देश दिए थे कि इस प्रकरण की बारीकी से जाँच-पड़ताल करें और पुख्ता साक्ष्यों के साथ सरकारी जमीन बेचने वाले व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएँ। कलेक्टर श्री सिंह ने जन-सुनवाई में फरियाद लेकर आए लोगों को भी आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन द्वारा सभी को न्याय दिलाया जायेगा।

यातायात नियमों का पालन करने हेतु निकाली गई रैली को ऊर्जा मंत्री ने दिखाई हरी झण्डी

ग्वालियर। सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने हेतु आयोजित रैली को प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली में यातायात नियमों का पालन, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिये आह्वान किया गया। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति द्वारा आयोजित लगभग 350 बच्चों एवं महिला व पुरूष समाजसेवियों द्वारा निकाली गई रैली को हरी झण्डी दिखाई। यह रैली पाताली हनुमान से प्रारंभ होकर इंटक चौराहा, जेसीमिल, बिरलानगर होते हुए हजीरा चौराहे पर समाप्त हुई। रैली के शुभारंभ अवसर पर जनप्रतिनिधि श्री अशोक शर्मा, डॉ. प्रदीप कश्यप एवं संस्था सचिव श्री राकेश पचौरी के अलावा डीएसपी श्री विक्रम सिंह, यातायात सीएसपी श्री नागेन्द्र सिंह एवं संस्था से जुड़े सदस्यगण उपस्थित थे।

बदलाव की कहानी समाजेसवी महिलाएं घर घर जाकर दें रहीं हैं कचरा प्रबंधन की जानकारी

ग्वालियर । विकसित व सुंदर शहर एवं शहर की स्वच्छता हम सभी की जिम्मेदारी है और शहर के नागरिक भी अब इसे समझने लगे हैं और अब स्वच्छता के प्रति शहरवासियों की आदतों में भी परिवर्तन आ रहा है, अब लोगों को यह लगने लगा है कि हमें अपने आस पास के क्षेत्र को साफ व स्वच्छ रखना है। इसके लिए अनेक समाजसेवी संगठन व समाजसेवी महिला पुरुष बिना किसी स्वार्थ के स्वयं आगे आकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरुक कर रहे हैं। ज्योति भावना महिला स्वास्थ्य कल्याण समिति की महिला समाजसेवियों ज्योति सिंह चैहान, प्रिया जैन एवं सुनीता यादव द्वारा स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए बिना किसी स्वार्थ के शहर की विभिन्न पिछडी बस्तियों में घर-घर जाकर महिलाओं को ठोस कचरा प्रबंधन की जानकारी दी जा रही है।

कलेक्टर सिंह ने स्वास्थ्य सेवाओं का किया निरीक्षण

ग्वालियर। स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने तथा अपने कर्तव्य से बिना अनुमति के अनुपस्थित रहने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चीनौर के समस्त स्टाफ का दो-दो दिन का वेतन काटने के निर्देश कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जारी किए हैं। बुधवार को कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने अचानक डबरा, भितरवार एवं चीनौर अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अव्यवस्था पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बुधवार को अचानक डबरा पहुँचकर डबरा अस्पताल का निरीक्षण किया। उनके साथ अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य भी थे। कलेक्टर ने डबरा अस्पताल में साफ-सफाई व्यवस्था पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अस्पताल को स्वच्छ रखने हेतु विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डबरा श्री प्रदीप

शर्मा को अस्पताल के स्टॉक रजिस्टर की भी जाँच करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने डबरा अस्पताल के सभी चिकित्सकों को अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें प्रदान करने के साथ-साथ मरीजों के साथ आने वाले परिजनों के साथ भी सौहार्द्रपूर्ण व्यवहार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने अस्पताल निरीक्षण के उपरांत एसडीएम कार्यालय का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने डबरा में एंटी माफिया अभियान के तहत की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की और निर्देश दिए कि अभियान के तहत प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भण्डारण करने वालों के विरूद्ध भी सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही अवैध रेत खनन की रोकथाम के लिये स्थापित किए गए नाकों पर सख्त कार्रवाई करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने डबरा अनुभाग क्षेत्र में सभी पात्र लोगों को आयुष्मान भारत कार्ड उपलब्ध कराने के लिये विशेष प्रयास करने को कहा। राजस्व प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए गए कि सम्पूर्ण अनुभाग क्षेत्र में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिये विशेष अभियान चलाकर कार्य किया जाए।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478